CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 168 ता. 29 दिसम्बर 2021, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

गूगल ने सीसीआई को जवाब देने के लिए कर्नाटक हाईकोर्ट से मांगा समय

नई दिल्ली। इंटरनेट के सबसे बड़े सर्च इंजन गूगल ने अपने खिलाफ जारी भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की जांच में पूछे सवालों का जवाब देने के लिए कर्नाटक हाईकोर्ट से और समय मांगा है। गूगल द्वारा एप डवलपर्स के लिए अपने ही प्लेटफार्म से भुगतान अनिवार्य करने के नियम की आयोग जांच कर रहा है। गूगल ने यह नई व्यवस्था 30 सितंबर से लागू करने की घोषणा की थी, लेकिन आयोग की सख्ती के बाद इसे दोबारा आगे बढ़ा चुका है।

नई भुगतान प्रक्रिया पर एप डवलपर्स की शिकायतों की जांच कर रहा सीसीआई

खुद गूगल ने आयोग की नई नीति को लेकर हो रही जांच में पूरा सहयोग करने की बात की है। उसके अनुसार में रचनात्मक सहयोग देगा ताकि निष्पक्षता से जांच पूरी हो सके। साथ ही कहा वह आयोग की जांच प्रक्रिया का सम्मान करता है दूसरी ओर शिकायतों के बाद हो रही जांच में आयोग ने उससे कई सवाल किए थे। इस पर गूगल ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर जांच से अंतरिम राहत मांगी थी। ताजा प्रगति में उसने अर्जी देकर जवाब देने के लिए समय मांगा।

शिकायतकर्ताओं की पहचान जानना चाहता है गूगल-गूगल अपने खिलाफ शिकायत करने वाले की पहचान के लिए आयोग से कुछ व्यवस्थागत निवेदन भी किए। इनकी वजह दी कि वह शिकायतों का व्यापक जवाब देना चाहता है। साथ ही जांच पैनल में कुछ न्यायिक सदस्य को शामिल करने का निवेदन किया है।

यह है मामला

गूगल ने कहा था कि जो एप डवलपर्स उसके प्ले स्टोर पर हैं और यूजर्स को डिजिटल कंटेंट बेच रहे हैं। 29 सितंबर 2021 के बाद गूगल प्ले बिलिंग सिस्टम से भुगतान करवाना होगा। ऐसा करने से गूगल कुछ पैसा अपनी फीस के तहत काट सकेगा।

मणिपुर में अपनी पुरानी गलतियों को नहीं दोहराएगी कांग्रेस

असम में भाजपा को हुआ था फायदा

नई दिल्ली। मणिपुर में कांग्रेस पुरानी गलतियों को नहीं दोहराएगी। उनसे सबक लेते हुए विधानसभा चुनाव में जीत की दहलीज तक पहुंचने की कोशिश करेगी। इसलिए पार्टी चुनाव प्रचार में किसी एक धर्म या समुदाय की हिमायत करने से परहेज करेगी। मणिपुर में कांग्रेस पिछले पांच साल से सत्ता से बाहर है। वहीं, इन पांच साल में सत्ता में रहते हुए भाजपा ने खुद को बहुत मजबूत किया है। इसलिए पार्टी के लिए चुनौती काफी बड़ी है। इसलिए कांग्रेस चुनाव में भाजपा को कोई मौका देने का जोखिम नहीं उठाएगी। मणिपुर में हिंदू और ईसाई मतदाताओं की तादाद लगभग 42-42 प्रतिशत है। वहीं, करीब 9 फीसदी मुसलमान मतदाता हैं। प्रदेश

कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि सभी धर्मों के मतदाता पार्टी को वोट करते रहे हैं। पर पिछले पांच साल में

वहीं, इन पांच साल में सत्ता में रहते हुए भाजपा ने खुद को बहुत मजबूत किया है। इसलिए पार्टी के लिए चुनौती काफी बड़ी है। इसलिए कांग्रेस चुनाव में भाजपा को कोई मौका देने का जोखिम नहीं उठाएगी।

तस्वीर बदली है। इसलिए पार्टी को असम और पश्चिम बंगाल चुनाव से अलग रणनीति अपनानी होगी। पार्टी नेता के मुताबिक, मुसलिम मतदाता करीब एक दर्जन सीट पर हार-जीत का फैसला करते हैं, पर असम और बंगाल की तर्ज पर चुनाव प्रचार से परहेज चाहिए। 2017 में कांग्रेस को 60 में 27 सीट मिली थी, पर इसके बावजूद पार्टी सरकार बनाने में नाकाम रही। जबकि 21 सीट जीतने के बावजूद भाजपा ने स्थानीय पार्टियों के साथ मिलकर सरकार बना थी। हालांकि, विधायकों के पाला बदलने से भाजपा विधायकों की संख्या 27 पहुंच गई। कांग्रेस के सामने भाजपा के साथ एक और चुनौती भी है। तृणमूल कांग्रेस भी इस बार पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ेगी। मणिपुर में तृणमल का जनाधार रहा है। 2012 के चुनाव में तृणमूल को 12 सीट मिली थी। हालांकि,2017 के चुनाव में टीएमसी सिर्फ एक सीट जीत पाई थी।

भारत में 15 साल से कम के बच्चों को वैक्सीन का कोई प्लान नहीं, 3 जनवरी से शुरू हो रहा टीकाकरण

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के पास फिलहाल 15 साल से कम उम्र के बच्चों को वैक्सीन लगाने की कोई योजना नहीं है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बात की जानकारी दी है। कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन वेरिएंट ने सरकार की चिंता बढ़ा रखी है। संक्रमण के खतरे को देखते हुए अगले महीने से 15-18 साल के बच्चों को कोविड-19 की वैक्सीन देश में दी जाएगी। हालांकि, कई ऐसे देश हैं जो पहले से ही बच्चों को कोरोना से लड़ने वाली वैक्सीन दे रहे हैं। कुछ देशों में यह वैक्सीन 5 साल के बच्चों को भी लगाई जा रही है।

15-18 साल के बच्चों की टीकाकरण

एक अधिकारी ने नाम ना बताने की शर्त में कहा, वैज्ञानिकी डेटा से यह पता चलता है कि दुनिया भर में इस वायरस से बच्चे बहुत व्यापक पैमाने पर प्रभावित नहीं हो रहे हैं। शुरू में हमने तय किया था कि वैक्सीन सिर्फ वयस्कों को दी जाएगी, लेकिन अब यह महसूस होने लगा है कि 15-18 एज ग्रुप के युवा स्कूल, कॉलेज और अन्य सभी जगहों पर जाते हैं। इसलिए उन्हें वायरस से खतरा हो सकता है।

बता दें कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 15-18 साल के किशोरों के कोरोना टीकाकरण, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं तथा बुजुर्गों को एहतियाती खुराक के लिए दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं जो तीन जनवरी से प्रभावी होंगे। जिन किशोरों का जन्म 2007 या उससे पहले हुआ है, वह टीका लगा सकेंगे। उन्हें सिर्फ कोवैक्सीन का टीका लगेगा।

क्यों अलग है भारत की नीति?

वरिष्ठ अधिकारी से जब पूछा गया कि यूनाइटेड स्टेट्स और यूनाइटेड किंगडम में 5 साल के बच्चों को वैक्सीन दी जा रही है लेकिन इस संबंध में भारत की नीति अलग क्यों है? इसपर जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि देश में यह फैसला जुलाई में किये गये सिरोलॉजिकल सर्वे के आधार पर लिया गया है। उस वक्त इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के चीफ बलराम भार्गव ने बताया था कि इस सर्वे में 6 से 17 साल तक के बच्चों को शामिल किया गया था।

कई आईएएस अधिकारियों के बदले विभाग संजय कुमार सिंह इस्पात सचिव बने

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के कई वरिष्ठ अधिकारियों के विभागों में फेरबदल किया है। इसके तहत वरिष्ठ नौकरशाह संजय कुमार सिंह को इस्पात सचिव बनाया गया है। कार्मिक मंत्रालय के आदेश के मुताबिक, मध्य प्रदेश के 1987 बैच के आईएएस अधिकारी संजय फिलहाल प्रशासनिक सुधार एवं जन शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) और पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग (डीओपीपीडब्ल्यू) में सचिव हैं। उनकी जगह राजस्थान कैडर के 1989 बैच के आईएएस अधिकारी वी श्रीनिवास डीएआरपीजी और डीओपीपीडब्ल्यू में सचिव होंगे। वह फिलहाल प्रशासनिक सुधार और जन शिकायत विभाग में विशेष सचिव हैं। इसके अलावा, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में विशेष सचिव मनोज जोशी को आवास और शहरी विकास मामलों के मंत्रालय में विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) बनाया गया है। वह आवास और शहरी विकास मामलों के मंत्रालय में मौजूदा सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा की जगह लेंगे, जो

इसी महीने सेवानिवृत्त होंगे। आदेश के मुताबिक, गुजरात कैडर के 1988 बैच के भारतीय वन सेवा के अधिकारी भरत लाल को लोकपाल सचिव बनाया गया है। वह फिलहाल जल शक्ति मंत्रालय में पेयजल और स्वच्छता विभाग में अतिरिक्त सचिव हैं। वित्तीय सेवा विभाग में अतिरिक्त सचिव पंकज जैन को पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में सचिव नियुक्त किया गया है।

इनके विभाग में भी फेरबदल

पंजाब कैडर की 1987 बैच की आईएएस अधिकारी विनी महाजन को पेयजल और स्वच्छता विभाग में सचिव बनाया गया है। वह फिलहाल अपने कैडर राज्य पंजाब में कार्यरत हैं। उपभोक्ता मामलों के विभाग में सचिव लीना नंदन को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में सचिव नियुक्त किया गया है। वह 31 दिसंबर, 2021 को सेवानिवृत्त हो रहे रामेश्वर प्रसाद गुप्ता की जगह लेंगी। संस्कृति मंत्रालय में विशेष सचिव रोहित कुमार सिंह उपभोक्ता मामलों के विभाग में नंदन की जगह सचिव होंगे। व्यय विभाग में विशेष सचिव राजीव रंजन को राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग में सचिव बनाया गया है।

देश के इन हिस्सों में अभी और होगी बारिश, जारी हुआ अलर्ट

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली समेत कई अन्य राज्यों में रविवार को जमकर बारिश हुई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अभी और कई राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार यानी 29 दिसंबर तक कुछ उत्तरी राज्यों में बारिश और बर्फबारी हो सकती है। आज और कल (27 और 28 तारीख) जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में बारिश और बर्फबारी की संभावना है। उत्तराखंड में आज से शुरू होकर बुधवार तक ऐसा ही मौसम रहने की संभावना है। केंद्रीय मौसम पूर्वानुमान एजेंसी के ताजा अपडेट के अनुसार पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और राजस्थान में भी सोमवार और मंगलवार को बारिश होने की संभावना है।

उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में आज से बुधवार तक मध्यम बारिश होने की संभावना है। मंगलवार (28 दिसंबर) को पूर्वी और उससे सटे पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में भी गरज के साथ छींटे पड़ने, बिजली गिरने और ओलावृष्टि की संभावना है। मध्य भारत में मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में बारिश का अनुमान है, जबकि पूर्वी हिस्से में बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में 28 से 30 दिसंबर के दौरान बारिश होने की संभावना है।

मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड में भी बारिश का अलर्ट-आइएमडी ने 27 और 28 तारीख पश्चिम बंगाल, सिक्किम के कई हिस्सों में गरज के साथ ओलावृष्टि की भविष्यवाणी की है। 28 और 29 तारीख को पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में 28 दिसंबर को पश्चिम मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड में भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

कोरोना से जंग में भारत को मिले तीन बड़े हथियार, दो वैक्सीन और एक पिल को मंजूरी

नई दिल्ली। दुनिया भर में कोरोना वायरस के खिलाफ जंग जारी है। कोविड-19 को हराने की इस लड़ाई के बीच भारत को तीन अहम हथियार मिले हैं। देश में 2 वैक्सीन और एक पिल को मंजूरी देने की सिफारिश की गई है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी कहा जा रहा है कि हो सकता है कि इस नई वैक्सीन का इस्तेमाल बूस्टर डोज के तौर पर किया जाए।

2 वैक्सीन 1 पिल को मंजूरी

भारत के ड्रग रेगुलेटर के अंतर्गत आने वाली सबजेक्ट एक्सपर्ट कमेटी (एसईसी) ने सीरम इंस्टीच्यूट ऑफ इंडिया की एक वैक्सीन (कोवोवैक्स), बायोलॉजिकल ई की वैक्सीन (कोरबेवैक्स) और कोविड-19 के खिलाफ लड़ने वाली एंटी-वायरल पिल Molnupiravir के आपातकालीन

इस्तेमाल को मंजूरी दे दी है। इन तीनों हथियारों को इमरजेंसी के वक्त इस्तेमाल करने संबंधी एक सिफारिश ड्रग कंट्रोल जनरल ऑफ इंडिया यानी डीसीजीआई को भेज दी गई है। इसपर डीसीजीआई जल्द ही कोई अहम फैसला ले सकता है।

इस वजह से अप्रूवल मिलने की पूरी उम्मीद

इस मामले की जानकारी रखने वाले एक शख्स ने बताया कि कोवोवैक्स के इस्तेमाल को लेकर जो अध्ययन रिपोर्ट सामने आई है उससे विशेषज्ञ संतुष्ट हैं। बता दें कि कोवोवैक्स यूएस ड्रग मैन्यूफैक्चरर नोवावैक्स का भारतीय स्वरूप है। यह एक नॉनपार्टिकल प्रोटीन पर आधारित कोविड-19 वैक्सीन है। फिलिपिंस में नोवावैक्स और सीरम इंस्टीच्यूट को पहले ही इसके आपातकालीन इस्तेमाल को मंजूरी मिल गई है। हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी कोवोवैक्स के आपातकालीन इस्तेमाल को मंजूरी दी थी। जिसके बाद अब इस बात की उम्मीद काफी बढ़ गई है कि भारत में भी इसे जल्द ही अप्रूवल मिल जाएगी।

क्लिनिकल डेटा ड्रग रेगुलेटर को सौंपा-इस लड़ाई में जिस एक अन्य वैक्सीन को मंजूरी मिलने की उम्मीद है उसे कोरबेवैक्स के नाम से जाना जाता है। यह एक प्रोटीन-आधारित वैक्सीन है। इस वैक्सीन को बायोलॉजिकल ई लिमिटेड ने बनाया है। कंपनी ने अपना क्लिनिकल डेटा ड्रग रेगुलेटर को सौंप दिया है। केंद्र सरकार ने पहले ही कंपनी को 1500 करोड़ रुपए दिये थे ताकि कोरबेवैक्स की 300 मिलियन डोज को रिजर्व किया जा सके। जल्द ही डीसीजीआई इसपर भी अहम फैसला ले सकता है।

लुधियाना के बाद दिल्ली, मुंबई में भी हमले की थी साजिश! जर्मनी में JSF का दहशतगर्द गिरफ्तार

नई दिल्ली। जर्मन पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के एक दहशतगर्द जसविंदर सिंह मुल्तानी को गिरफ्तार किया है। पिछले हफ्ते लुधियाना में हुए एक ब्लास्ट में मुल्तानी की संलिप्ता पाई गई है। इस मामले के जानकारों का यह भी कहना है कि मुल्तानी ने लुधियाना के अलावा दिल्ली और मुंबई में भी हमले की साजिश रची थी।

SFJ का दहशतगर्द धराया

जर्मन पुलिस ने सिख फॉर जस्टिस के एक वर्कर जसविंदर सिंह मुल्तानी को जर्मनी में धर दबोचा है। बताया जा रहा है कि मुल्तानी ने पंजाब में अभी और ब्लास्ट कराने के अलावा दिल्ली और मुंबई में भी आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की गहरी साजिश रची थी। मुल्तानी को खालिस्तानी आतंकवादी बताया जा रहा है। वो जर्मनी के एरफर्ट में रह रहा था। मुल्तानी एसएफजे से जुड़ा हुआ है और यह संगठन अलगावादी एक्टिविटी में काफी सक्रिय माना जाता है। मोदी सरकार ने जर्मन प्रशासन से मुल्तानी को गिरफ्तार करने का आग्रह किया था। जिसके बाद उसे अरेस्ट किया गया है।

कैसा संगठन है सिख फॉर जस्टिस

यहां आपको बता दें कि सिख फॉर जस्टिस को लेकर कहा जाता है कि साल

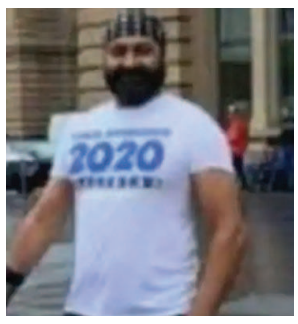

2007 में इस संगठन की नींव पड़ी थी। यह यूएस-आधारित एक संगठन है। यह संगठन सिखों के लिए अलग पंजाब की मांग करता आया है। साल 2019 में भारत सरकार ने इसे गैर-कानूनी गतिविधि एक्ट के तहत प्रतिबंधित कर दिया था। इस संगठन पर पंजाब में हिंसा और आतंकवाद फैलाने का आरोप है।

मुल्तानी कैसे आया चर्चा में?

जसविंदर सिंह मुल्तानी के बारे में कहा जा रहा है कि उसने पंजाब में हैंड ग्रेनेड, विस्फोटक और हथियारों की एक बड़ी खेप पंजाब के भीतर पहुंचाई। इसके बाद वो अचानक सुर्खियों में आ गया। बताया जाता है कि उसने इस काम में पाकिस्तान के कुछ हथियार तस्करों की मदद ली और फिर पंजाब के विभिन्न हिस्सों में यह गैर-कानूनी सामान पहुंचाए।

हाल ही में मिली कुछ गुप्त सूचनाओं के मुताबिक मुल्तानी अपने पाकिस्तानी सहयोगियों के जरिए और भी विस्फोटक पंजाब में भेजने की तैयारी में था ताकि वहां दहशत फैलाया जा सके। मुल्तानी अपने खालिस्तानी आकाओं मसलन- हरदीप सिंह निज्जर, परमजीत सिंह पामा, साबी सिंह, कुलवंत सिंह मोथाडा और अन्य लोगों का काफी करीबी भी है।

SFJ के ठिकाने पर छापेमारी

पिछले महीने ब्रिटेन की पुलिस ने स्कॉट्लैंड के कार्यालय पर छापेमारी की थी। यहां से कुछ इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और कागजात पुलिस अपने साथ ले गई थी। नवंबर के महीने में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने कनाडा की सरकार से आग्रह किया था कि वो सिख फॉर जस्टिस को आतंकवादी संगठन घोषित करे। इसके अलावा सितंबर के महीने में पंजाब पुलिस ने एसएफजे मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए इसके तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया था।

सार समाचार

विधानसभा चुनाव से पहले अखिलेश का बड़ा ऐलान, साइकिल चालकों की हादसे में मौत पर देंगे 5 लाख रुपए का मुआवजा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश चुनावों के चलते बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने उन्नाव में एक जनसभा को संबोधित करते हुए वादा कि अगर आगामी चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी तो साइकिल दुर्घटना और सांड से लड़ जाने की वजह से हुई मौत पर पीड़ित परिजनों को 5 लाख रुपए का मुआवजा देंगे। इसी बीच अखिलेश यादव ने कानपुर मेट्रो परियोजना का जिक्र करते हुए योगी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ये जो मुख्यमंत्री विकास की बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं और शिलान्यास पर शिलान्यास और उद्घाटन कर रहे हैं। यह मेट्रो समाजवादियों की देन है। समाजवादी सरकार ने शिलान्यास किया था। इसलिए मैं आप लोगों को बता रहा हूं कि अगर बिजली का इंतेजाम करने के लिए सब-स्टेशन देना पड़ा तो समाजवादी सरकार ने वो काम भी किया है। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कानपुर में मेट्रो रेल परियोजना के प्रथम चरण की शुरूआत की। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान मेट्रो रेल से सफर किया और उनके साथ उत्तर प्रदेश के मुख?यमंत्री योगी आदित?यनाथ और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी मौजूद रहे। इससे पहले उन्होंने ने कानपुर मेट्रो रेल परियोजना प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

भाजपा में शामिल हुए पूर्व क्रिकेटर दिनेश मोंगिया, इस सीट से आजमा सकते हैं अपनी किस्मत

चंडीगढ़। पंजाब में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और इससे ठीक पहले भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी दिनेश मोंगिया ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, राज?यसभा सांसद दुष?यंत गौतम समेत कई भाजपा नेता मौजूद रहे। माना जा रहा है कि भाजपा दिनेश मोंगिया को आगामी विधानसभा चुनाव में मैदान पर उतारने वाली है। ऐसे में उन्हें कहां का टिकट दिया जाएगा, इस पर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं लेकिन सबसे ज्यादा संभावना है कि भाजपा उन्हें डेरा बस?सी से अपना उम?मीदवार बना सकती है। डेरा बस्ती पंजाब की हॉट सीटों में से एक है और यह सीट पटियाला के अंतर्गत आती है। इस सीट पर शिरोमणि अकाली दल (शिअद) का कब्जा है लेकिन कृषि कानूनों के चलते भाजपा और शिअद का गठबंधन समाप्त हो चुका है। ऐसे में पार्टी यहां से मजबूत उम्मीदवार उतारने का मन बना रही है। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि भाजपा और पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के बीच राजनीतिक गठबंधन हो गया है और अमरिंदर सिंह की पत्नी परनीत कौर पटियाला से सांसद हैं और वो अभी भी कांग्रेस की सदस्य हैं। ऐसे में डेरा बस्सी सीट पर भाजपा को फायदा मिल सकता है।

मथुरा भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि, टिकैत बोले- इसे नहीं बनने देना मुजफ्फरनगर

नई दिल्ली। किसान नेता राकेश टिकैत ने लोगों को आगाह किया कि वे मथुरा तीर्थ क्षेत्र में शांति भंग करने की इच्छा रखने वाली कुछ ताकतों को कामयाब न होने दें। उन्होंने बिना किसी पार्टी का नाम लिए हुए कहा कि इन्हें वोट तो नहीं मिल रहे हैं, इसलिए वे तीर्थ शहर को अशांत करने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे शहर को जहां लोग शांति से प्रार्थना कर रहे हैं और सामान्य जीवन जी रहे हैं।

मथुरा को मुजफ्फरनगर न बनने देना

भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता टिकैत ने कहा कि मथुरा को मुजफ्फरनगर न बनने देना। ये लोग मुजफ्फरनगर की तरह मथुरा का माहौल खराब करना चाहते हैं। उन्होंने ऐसे तत्वों से लोगों को आगाह किया। इसके साथ ही कहा कि कुछ लोग मथुरा में मुजफ्फरनगर जैसा दंगा कराना चाहते हैं। दंगा होगा रोजगार खत्म होगी, दुकानदारी बंद होगी। इसलिए इनसे बचके रहना।

जब जरूरत पड़ेगी फिर कर लेंगे आंदोलन

आंदोलन खत्म नहीं हुआ है। आंदोलन स्थगित हुआ है। जब जरूरत पड़ेगी फिर कर लेंगे। अभी तो भारत सरकार ने कुछ चीजें कहा है, एमएसपी में कमेटी बनाने की बात उन्होंने कही है। उस कमेटी में किसान भी रहेंगे।

दिल्ली में कोरोना का येलो अलर्ट जारी, केजरीवाल बोले- घबराने की जरूरत नहीं, प्रोटोकॉल को करें फॉलो

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को कोरोना वायरस संक्रमण के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों से कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं लेकिन आप लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। क्योंकि माइल्ड केसेस है। इसके बावजूद हम नहीं चाहते कि कोरोना वायरस फैले। इसीलिए बार-बार मास्क पहनने की अपील कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सख्तियां कोरोना को फैलने से रोकने के लिए कर रहे हैं। इतना ही नहीं उन्होंने पाबंदियां लगाने की भी बात कही और उन्हें पालन करने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों से कोरोना की सकारात्मकता दर 0.5 प्रतिशत से ऊपर रही है, इसलिए हम ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान के लेवल- क(येलो अलर्ट) को लागू कर रहे हैं। पाबंदियों को लागू करने का विस्तृत आदेश जल्द ही जारी किया जाएगा। आपको बता दें कि केजरीवाल सरकार ने दिल्ली में येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान उन्होंने कहा कि कोरोना के नए वेरिएंट 'ओमीक्रोन' से जो लोग संक्रमित हो रहे हैं, वो अपने घरों में ही ठीक हो रहे हैं। ऐसे में चिंता करने की जरूरत नहीं है बल्कि जिम्मेदार बनना है। उन्होंने कहा कि घर से बाहर निकलने पर कोरोना नियमों का पालन करें और बार-बार अपने हाथ धोते रहे।

मौसम विभाग का अनुमान,लखनऊ समेत यूपी के इन 20 शहरों में अगले 24 घंटों में होगी बारिश और ओलावृष्टि

नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मौसम के तेवर में तब्दीली आने वाली है। दिसंबर का आखिरी हफ्ता चल रहा है, और यहां अब धूप के मजे खत्म होने वाले हैं। मौसम विभाग ने यहां बारिश और ओले गिरने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के ताजा अनुमान के मुताबिक अगले 24 घंटों में उत्तर प्रदेश के 20 जिलों में घनघोर वर्षा होगी और इसके साथ साथ ओले भी गिर सकते हैं। उत्तर प्रदेश के मौसम में यह बदलाव लखनऊ से आगरा तक देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग की ओर से, उत्तर प्रदेश के जिन 20 शहरों में अगले 24 घंटे के दौरान बारिश और ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। वे जिले हैं- लखनऊ, बाराबंकी, उन्नाव, हरदोई, कानपुर नगर, कानपुर देहात, कौशाम्बी, प्रयागराज, प्रतापगढ़, रायबरेली, एटा, कासगंज, फरुर्खाबाद, मैनपुरी, आगरा, फिरोजाबाद, मथुरा, बांदा, चित्रकूट और सीतापुर। इसके अलावा भी पूर्वांचल में 30 दिसंबर को भारी बारिश और ओलावृष्टि की संभावना मौसम विभाग की ओर से जताई गई है। पूर्वांचल के जिन जिलों में 30 दिसंबर के बाद मौसम बदल सकता है, वह जिले हैं- आजमगढ़, जौनपुर, मिजार्पुर, गाजीपुर, चंदौली, मऊ, भदोही, सोनभद्र और बलिया। दिसंबर का आखिरी हफ्ता चल रहा है, लेकिन अभी तक लोगों को भयंकर ठंड और कोहरे का सामना नहीं करना पड़ा है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक बारिश के बाद उत्तर प्रदेश में मौसम बदल जाएगा। बारिश और ओले गिरने के बाद, मौसम खुल जाएगा और कोहरे की दिक्कत बढ़ जाएगी। वातावरण में नमी के कारण ऐसी स्थिति पैदा होगी। अभी तक ठंड का प्रभाव बहुत ज्यादा नहीं दिखा है। रात और दिन के तापमान में बढ़ोतरी हुई है। यूपी के मुजफ्फरनगर में रात का न्यूनतम तापमान 4.7 डिग्री तक गिर गया लेकिन, यूपी के बाकी सूबों के शहरों में न्यूनतम

15 से 18 वर्ष के बच्चों को लगेगी केवल कोवैक्सीन की डोज, स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी किए दिशानिर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)

देश में कोविड-19 के खिलाफ टीकाकरण कार्यक्रम बहुत तेजी से चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में अब 15 से 18 साल के बच्चों को भी कोरोना वायरस वैक्सीन लगाई जाएगी। इसके लिए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के द्वारा सोमवार को पंजीकरण और टीकाकरण अभियान के लिए दिशानिर्देश जारी कर दिए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को जो गाइडलाइंस जारी की है उसके मुताबिक, 3 जनवरी से शुरू होने वाले 15 से 18 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए टीकाकरण कराने के लिए 2007 से पहले जन्म लेना जरूरी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के यह दिशानिर्देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र को संबोधित करने और टीकाकरण अभियान में विस्तार के लिए सरकार के कदम की घोषणा के 2 दिन बाद आए हैं। आपको बता दें कि, कोविड-19 के मामले कई राज्यों में बढ़ रहे हैं, इसके अलावा कोरोना के नए वैरियंट ओमिक्रॉन का प्रसार भी तेज हो रहा है।

अगर आप भी अपने 15 से 18 वर्ष के बच्चे को वैक्सीन लगवाना चाहते हैं तो आपकी जानकारी के लिए बता दें कि, वैक्सीन लेने के लिए 15 से 18 वर्ष के बच्चों के लिए मात्र कोवैक्सीन का ही विकल्प होगा। यानी कि 15 से 18 वर्ष के बच्चों को केवल कोवैक्सीन की ही डोज दी जाएगी। क्योंकि कोवैक्सीन भारत में स्वीकृत एकमात्र वैक्सीन है, जिसे डब्ल्यूएचओ ने 15 से 18 वर्ष के बच्चों के लिए आपातकालीन उपयोग की मंजूरी दी है। ZYCOV-D के टीके को भी राष्ट्रीय दवा नियामक द्वारा 12 और उससे अधिक उम्र के बच्चों के लिए अप्रूवल दिया गया है। इसे Zydus heÔlthcÔre ने बनाया है। लेकिन अभी तक इस टीके को टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल नहीं किया गया है।

क्या है गाइडलाइंस

प्रधानमंत्री के राष्ट्र के नाम संबोधन के बाद, 15 से 18 वर्ष के बच्चों के लिए टीकाकरण 3 जनवरी 2022 से आरंभ होगा। बता दें कि, 15 से 18 वर्ष के बच्चों के लिए केवल कोवैक्सीन ही उपलब्ध होगी।

जिन स्वास्थ्य कर्मियों और फ्रंटलाइन वर्कर्स को वैक्सीन की दो डोज लग चुकी हैं, उन्हें तीसरी डोज 10 जनवरी 2022 से लगेगी।टीकाकरण अभियान में 60 साल या इससे ऊपर के गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों को डॉक्टरों के मशवरे के आधार पर दूसरी डोज के 9 महीने या 39 हफ्तों के बाद तीसरी डोज दी जाएगी। आपको जब से दूसरी डोज लगी है, उस तारीख से ही 39 हफ्ते 9 महीने बाद आप तीसरी डोली लगवाने के लिए जा सकते हैं।

स्वास्थ्य कर्मी, फ्रंटलाइन वर्कर्स और 60 से ऊपर गंभीर बीमारी वाले नागरिक अपने मौजूदा कोविन अकाउंट के माध्यम से तीसरी डोज के लिए रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। ऐसे लाभार्थियों को दूसरी डोज की तारीख के आधार पर ही तीसरी या बूस्टर डोज लगाई जाएगी। कोविन ऐप द्वारा जब लाभार्थियों को तीसरी खुराक देनी होगी, तो उसके लिए २..२. भेजा जाएगा। आप वैक्सीनेशन के लिए अपॉइंटमेंट ऑनलाइन या फिर वैक्सीनेशन सेंटर पर जाकर भी अपनी अपॉइंटमेंट बुक कर सकते हैं।

राहुल, प्रियंका ने दिल्ली में डॉक्टरों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्र पर साधा निशाना

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी व पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में नीट-पीजी काउंसलिंग में देरी के विरोध में सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे रेजिडेंट डॉक्टरों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई को लेकर नरेंद्र मोदी सरकार की तीखी आलोचना की। राहुल ने ट्वीट कर कहा, 'फूल बरसाना दिखावे का पीआर (जनसंपर्क) था, असलियत में अन्याय बरसा रहे हैं।केंद्र सरकार के अत्याचार के खिलाफ मैं कोरोना योद्धाओं के साथ हूं।' कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने ट्वीट किया, 'कोरोना के समय में इन युवा डॉक्टरों ने अपनों से दूर रहकर पूरे देश के नागरिकों का साथ दिया। अब समय है कि पूरा देश डॉक्टरों के साथ खड़े होकर इन पर पुलिस बल प्रयोग करने वाले व इनकी मांगों को अनसुना करने वाले नरेंद्र मोदी जी को नींद से जगाए। डॉक्टरों को झूठा पीआर (जनसंपर्क) नहीं, सम्मान व हक चाहिए। सरकारी अस्पतालों के रेजिडेंट डॉक्टरों ने नीट-पीजी 2021 की काउंसलिंग में हो रही देरी को लेकर अपना आंदोलन तेज करते हुए सोमवार को मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज से उच्चतम न्यायालय तक मार्च निकाला। हालांकि, प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने रोक लिया और दोनों पक्षों के बीच हाथापाई हुई। पुलिस ने कम से कम 12 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया और बाद में उन्हें छोड़ दिया। फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन पिछले कई दिनों से आंदोलन कर रहा है। सरकार ने पिछले साल कोरोना वायरस पर काबू के लिए लगाए गए देशव्यापी लॉकडाउन के दौरान महामारी से निपटने में योगदान को लेकर डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों पर फूल बरसाए थे।

कोविड टीकाकरण को लेकर सरकार व कांग्रेस आमने-सामने

नयी दिल्ली (एजेंसी)

कोविड-19 टीकाकरण लक्ष्यों को लेकर कांग्रेस और केंद्र ने सोमवार को एक दूसरे पर निशाना साधा और प्रमुख विपक्षी दल के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने टीकों की बूस्टर खुराक को लेकर भ्रम की स्थिति होने का आरोप लगाया वहीं केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी पर पलटवार करते हुए गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया।

पूर्व गृह मंत्री चिदंबरम ने कोविड के खिलाफ टीकाकरण की कथित धीमी गति को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 31 दिसंबर तक देश की 100 प्रतिशत वयस्क जनता को कोविड टीके की पहली खुराक लगाने का सरकार का दावा अब बस हवा में ही रह जाएगा। पूर्व गृह मंत्री ने निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि टीकाकरण बेहद धीमी गति से हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि सरकार की 'संरक्षणवादी' नीति के कारण फाइजर, मोडर्ना और डब्ल्यूएचओ से मंजूरी प्राप्त अन्य टीके किसी ना किसी बहाने से भारत से बाहर ही रहे। उन्होंने कहा, 'इसी कारण हमारे पास 94 करोड़ जनता को लगाने के लिए पर्याप्त मात्रा में टीका नहीं है।' उन्होंने एक ट्वीट में कहा, 'सरकार का भारी भरकम दावा कि 31 दिसंबर तक देश की 100 प्रतिशत वयस्क जनता का टीका लग जाएगा, हवा में है। बूस्टर खुराक की शुरूआत, जो बहुत जरूरी है, से मांग-आपूर्ति के बीच का अंतर और बढ़ जाएगा।' केंद्रीय शिक्षा मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता प्रधान ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेता 'घबराहट और भय पैदा कर रहे हैं तथा गलत जानकारी फैला रहे हैं। चिदंबरम ने यह भी आरोप लगाया कि बूस्टर खुराक का प्रस्ताव भ्रम पैदा करने वाला है। उन्होंने कहा, कोविशील्ड के लिए बूस्टर खुराक टीका कौन सा है? मुझे उम्मीद है कि कोविशील्ड की एक और खुराक नहीं।' उन्होंने कहा, 'अतीत की गलतियों का परिणाम अब सामने आ रहा है। हम ऑर्डर में देरी, भुगतान में देरी, फाइजर एवं मॉडर्ना को लाइसेंस नहीं देने तथा अपर्याप्त उत्पादन एवं आपूर्ति की कीमत चुका रहे हैं।' चिदंबरम पर निशाना साधते हुए प्रधान ने कहा, भारत द्वारा उठाए गए हर प्रगतिशील कदम पर कांग्रेस और उसकी मंडली का अफसोसाजनक रुख कभी भी आश्चर्यचकित नहीं करता है... सबसे पहले, उन्होंने अपने देश में बने टीकों की सुरक्षा को लेकर लोगों को गुमराह किया, टीके की हिचकिचाहट को बल दिया और हमारे देश की सामूहिक क्षमता पर संदेह कर दहशत पैदा की।'

पंजाब को केजरीवाल जैसे बाहरी लोगों की जरूरत नहीं : चन्नी

रोहनो कलां (पंजाब) (एजेंसी)

पंजाब के मुख्यमंत्री चरनजीत सिंह चन्नी ने सोमवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल को पंजाबियों को हल्के में नहीं लेना चाहिए और उन्हें समझना चाहिए कि वे अपने राज्य का शासन चलान में सक्षम हैं और उन्हें किसी 'बाहरी' की जरूरत नहीं है। एक सरकारी बयान के अनुसार, खन्ना के पास रोहनो कलां गांव में खेल के मैदान और पंचायत भवन का उद्घाटन करने आए चन्नी ने कहा, 'गर्व से भरे पंजाबी केजरीवाल जैसे बाहरी व्यक्ति को खुद पर कभी शासन नहीं करने देंगे।' चन्नी ने कहा कि उनकी सरकार आम लोगों के एजेंडे को लागू कर रही है जबकि केजरीवाल जैसे लोग 'दिल्ली की आम जनता की बेहतरी के लिए काम करने की जगह पंजाब के लोगों के लिए चांद-तारे लाने का वादा कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'केजरीवाल पंजाब के लोगों के सामने सिर्फ झूठ का पुलिंदा खोलने में अच्छे हैं।' उन्होंने कहा, 'यह वही केजरीवाल हैं जिन्होंने 2017 के विधानसभा चुनाव से पहले गारंटी दिया था कि वह (शिअद नेता) बिक्रम सिंह मजीठिया को मादक पदार्थ तस्करों के साथ संबंधों को लेकर जेल भिजवाएंगे।' उन्होंने कहा, 'और जब पंजाब में आप सरकार नहीं बना सकी तो, इन्हीं केजरीवाल ने अदालत में मजीठिया से बिना शर्त माफी मांगी थी, वह भी आप के लेटरहेड पर। मादक पदार्थों के कारण अपने बच्चों को खोने वाले परिवार केजरीवाल को कभी माफ नहीं करेंगे।'

समाजवादी पिछडा प्रकोष्ट प्रदेश अध्यक्ष राजपाल कश्यपजी का भागलपुर मे भव्य स्वागत

आज बिधान सभा छेत्र बरहज के भागलपुर में समाजवादी पार्टी पिछडा प्रकोष्ट प्रदेश अध्यक्ष राज्यपाल कश्यप जी का जोरदार स्वागत हुवा देवरिया जिला अध्यक्ष डॉ0 दिलीप यादव देवरिया जिला उपाध्यक्ष बरहज के नेता श्री अवधेश चौधरी समजवादी नेता अमरजीत यादव जी रमेश तिवारी जी अनिल राजभर जी बडकू यादव जी अशोक चौधरी रमेश चौधरी जी गोपी यादव जी शिबू पांडये भगवान खरवार प्रधान राजेश चौधरी रामपुकार निषाद अशोक निषाद पवन कुमार शर्मा राजन निषाद शतदेव कुमार भारीतय इस्तका खान रईस अशरी बरहज के सपा कार्यकर्ता रहे मोजुद

बीजेपी और अपना दल के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर मनमुटाव

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है,सभी दल अपनी पार्टी और गठबंधन को मजबूत करने में जुटे हुए हैं,लेकिन इस बीच खबर यह आ रही है कि अपना दल(एस) की मुखिया और केन्द्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल और भारतीय जनता पार्टी आलाकमान के बीच एक बार फिर से मनमुटाव बढ़ गया है. इसी के चलते अपना दल (एस) के साथ बीजेपी का गठबंधन अधर में नजर आ रहा है। केंद्र सरकार में राज्य मंत्री और उत्तर प्रदेश में भाजपा की सहयोगी पार्टी अपना दल (सोनेलाल) प्रमुख अनुप्रिया पटेल की नाराजगी की वजह उन्हें कम सीटें दिया जाना है।

अनुप्रिया ने अभी इस बात की तो घोषणा नहीं की है कि वह कितनी सीटें चाहती हैं, लेकिन अंदर खाने चर्चा यह है कि अनुप्रिया पटेल अपनी पार्टी के लिए कम से कम 25 सीटें चाहती हैं,जबकि बीजेपी आलाकमान उन्हें 10-12 से अधिक सीटें देने के मूड में नहीं है। सीटों को लेकर अनुप्रिया और बीजेपी आलाकमान के बीच जारी रस्साकशी जब तक थम नहीं जाती है, तब तक गठबंधन में दरारें नजर आती रहेंगी। सीटों का बंटवारा होने के बाद ही अनुप्रिया पटेल अपना आगे का सियासी सफर तय करेंगी।

अपना दल के इस समय नौ विधायक हैं। अपना दल की पूर्वांचल में अच्छी खासी पकड़ है,पूर्वांचल में करीब पांच प्रतिशत कुर्मी वोटर हैं जिन पर नजर लगाए बीजेपी ने 2014 में अनुप्रिया पटेल से गठबंधन किया था। बहरहाल, अनुप्रिया पटेल के बयान के कई राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। उन्होंने पिछले दिनों भी यूपी में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए और राजनीतिक प्रतिनिधित्व की मांग करते हुए कहा था कि राजनीतिक इतिहास साफ दिखाता है कि उत्तर प्रदेश में जिस पार्टी या गठबंधन को ओबीसी का समर्थन मिलता है, वही सत्ता में आता है।

मिजार्पुर से सांसद अनुप्रिया पटेल, मोदी सरकार की सबसे युवा मंत्री हैं तथा वह वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में वर्तमान राज्य मंत्री हैं,अनुप्रिया 2016 से 2019 तक भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री थीं, लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद पीएम मोदी ने उन्हें अपनी कैबिनेट में जगह नहीं दी थी, जिसको लेकर अपना दल काफी नाराज चल रहा था, अभी पिछले कैबिनेट विस्तार में प्रधानमंत्री मोदी ने अनुप्रिया को अपनी कैबिनेट में शामिल किया था। अनुप्रिया पटेल अपने पति को भी विधान परिषद की सदस्यता दिलाने के साथ उन्हें योगी कैबिनेट में शामिल किए जाने के लिए भी काफी समय से बीजेपी पर दबाव बना रही हैं। चर्चा यह भी चली थी कि अनुप्रिया पटेल समाजवादी पार्टी के साथ जाने वाली हैं, लेकिन बाद में अनुप्रिया ने इसका खंडन कर दिया था।

देशभर के लोग अब आसानी से जम्मू-कश्मीर में बना सकेंगे घर, रियल सेक्टर क्षेत्र में हुआ बड़ा निवेश

नई दिल्ली (एजेंसी)

जम्मू-कश्मीर सरकार ने जमीन जायदाद के क्षेत्र में निवेश करने वाले निवेशकों के साथ करीब 19,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव वाले 39 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर देश के रियल एस्टेट निवेशकों के लिये केंद्र शासित प्रदेश में निवेश के रास्ते खोल दिये हैं। ये समझौते आवास, होटल और वाणिज्यिक परियोजनाओं के विकास के लिए हैं। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रियल एस्टेट शिखर सम्मेलन में समझौता ज्ञापनों पर हुए हस्ताक्षर को 'ऐतिहासिक' बताते हुए कहा कि यह केंद्र शासित प्रदेश में बदलाव लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। शिखर सम्मेलन के दौरान संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि सरकार पहले ही यहां रियल एस्टेट से जुड़े कानून रेरा और आदर्श किराया कानून लागू कर चुकी है। सिन्हा ने कहा कि सरकार अन्य राज्यों की तरह जमीन, मकान और दुकान के पंजीकरण पर स्टाम्प शुल्क में छूट देगी और परियोजनाओं के तेजी से क्रियान्वयन को लेकर एकल मंजूरी व्यवस्था स्थापित करेगी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, 'हमने 39 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये। हमें 18,300 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं।'

उद्योग संगठन नारेडको ने कहा है कि हीरानंदानी समूह, सिग्नेचर ग्लोबल, एनबीसीसी और रहेजा डेवनपर्स समेत कई कंपनियों ने 18,900 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव वाले समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये। अन्य रियल एस्टेट कंपनियों में सम्यक ग्रुप, रौनक ग्रुप, गोयल गंगा, जीएचपी ग्रुप और श्री नमन ग्रुप ने आवासीय परियोजनाओं के लिए शुरूआती समझौतों पर हस्ताक्षर किए। वहीं होटल परियोजना के लिए शैले होटल्स ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। उद्योग और वाणिज्य विभाग ने हल्दीराम समूह के साथ जम्मू-कश्मीर में इकाई लगाने को लेकर समझौते पर हस्ताक्षर किये। हम आपको बता दें कि इस सम्मेलन का आयोजन जम्मू-कश्मीर सरकार, केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय तथा रियल एस्टेट कंपनियों के संगठन नारेडको ने किया था। इस दौरान उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि इन समझौतों से जम्मू-कश्मीर में रोजगार सृजन में मदद मिलेगी। उन्होंने घोषणा की कि इसी प्रकार का रियल एस्टेट सम्मेलन अगले साल 21-22 मई को श्रीनगर में होगा।इस अवसर पर संवाददाता सम्मेलन के दौरान विपक्षी दलों के विकास के नाम पर स्थानीय लोगों की जमीन हड़पने के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर सिन्हा ने कहा कि यह डर पैदा करने और लोगों को भड़काने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि इससे जनसंख्या संबंधी कोई परिवर्तन नहीं होगा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग नहीं चाहते कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को अन्य राज्यों की तरह सुविधाओं और विकास का लाभ मिले। उन्होंने कहा कि लोगों को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है और बेरोजगारी तथा विकास न होने के पीछे अन्य कारणों के अलावा यह भी एक वजह है। सिन्हा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में प्रतिभा और क्षमता की कोई कमी नहीं है और वह दिन दूर नहीं जब केंद्र शासित प्रदेश अन्य राज्यों के बराबर होगा।

हम आपको बता दें कि जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्रियों उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती ने केंद्र शासित प्रदेश को रियल एस्टेट निवेशकों के लिए खोलने को लेकर प्रशासन पर निशाना साधा और आरोप लगाया है कि क्षेत्र की जनसांख्यिकी को बदलने के लिए ऐसा किया

जा रहा है। उमर अब्दुल्ला ने ट्विटर पर लिखा, 'एक बार फिर सरकार की असली मंशा सामने आ गई है। लद्दाख के लोगों की जमीन, नौकरी, अधिवास कानून और पहचान को सुरक्षित रखते हुए, जम्मू-कश्मीर को बिक्री के लिए रखा जा रहा है। जम्मू के लोगों को सावधान रहना चाहिए। 'निवेशक' कश्मीर से बहुत पहले जम्मू में जमीन खरीदेंगे।' दूसरी ओर महबूबा ने ट्वीट किया, 'भारत के एकमात्र मुस्लिम बहुल राज्य को अमानवीय बनाने, अलग-थलग करने और कमजोर करने के लिए जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को अवैध रूप से रद्द कर दिया गया था। भारत सरकार की खुलेआम लूट और हमारे संसाधनों की बिक्री से पता चलता है कि इसका एकमात्र मकसद हमारी पहचान को खत्म करना और जनसांख्यिकी को बदलना है।'

सार समाचार

जलियांवाला बाग कांड का बदला लेने की धमकी वाला वीडियो सामने आने पर स्कॉटलैंड यार्ड जांच में जुटी

लंदन। स्कॉटलैंड यार्ड ने उस मामले की जांच शुरू कर दी है, जिसमें सोशल मीडिया पर साझा किये गए एक वीडियो में चेहरे को पूरी तरह से नकाब से ढके और खुद को भारतीय सिख बताने वाला एक व्यक्ति 1919 के जलियांवाला बाग नरसंहार का बदला लेने के लिए महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की ' 'हत्या' ' करने की धमकी देता नजर आ रहा है। कुछ दिन पहले ही महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के विंडसर कैसल के पास से एक घुसपैठिये को गिरफ्तार किया गया था। 'द सन' अखबार के अनुसार यह वीडियो स्नैपशॉट पर साझा किया गया है, जिसमें एक नकाबपोश व्यक्ति खुद को भारतीय सिख जसवंत सिंह चैल बताता है और घोषणा करता है कि जलियांवाला बाग नरसंहार का बदला लेने के लिए वह महारानी की हत्या करना चाहता है। इस बीच, 19 वर्षीय एक घुसपैठिये को उसके मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों को लेकर पकड़ कर रखा गया है। मेट्रोपोलिटन पुलिस ने उसका नाम अब तक नहीं बताया है। स्कॉटलैंड यार्ड के अधिकारी इस वीडियो की जांच कर रहे हैं, जिसका कथित रूप से संबंध क्रिसमस के दिन विंडसर कैसल से गिरफ्तार किये गये घुसपैठिये से बताया जाता है। उस घुसपैठिये के पास से एक हथियार मिला था। मेट्रोपोलिटन पुलिस ने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य जांच के बाद गिरफ्तार संदिग्ध के विरुद्ध ब्रिटेन के मानसिक स्वास्थ्य कानून की धाराएं लगायी गयी हैं और वह ह्रायिकित्सकों की देखभाल' में है। वीडियो में नकाबपोश व्यक्ति कह रहा है, 'मैंने जो किया है और मैं जो करूंगा, उसको लेकर मैं दुखी हूं। मैंमहारानी एलिजाबेथ की हत्या करने का प्रयास करूंगा।' वह कह रहा है, 'यह उन लोगों के लिए बदला है, जो 1919 के जलियांवाला बाग नरसंहार में मारे गये थे। यह उन लोगों के लिए भी बदला है जो अपनी नस्ल के कारण मारे गये, अपमानित किये गये, भेदभाव का शिकार हुए। मैं एक भारतीय सिख हूं। मेरा नाम जसवंत सिंह चैल है, मेरा नाम डार्थ जोंस है।' अप्रैल, 1919 में बैसाखी के दिन अमृतसर के जालियंवाला बाग में नरसंहार हुआ था। कर्नल रेजीनाल्ड डायर के आदेश पर ब्रिटिश सैनिकों ने स्वतंत्रता समर्थक प्रदर्शन पर गोलियां चलायी थीं, जिसमें बड़ी संख्या में लोग मारे गये थे।

अब अपराधियों की नहीं खैर, एआई मशीन कर लेगी पहचान और बता देगी सजा!

-चीनी कंपनी ने बनाई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पावर्ड प्रॉसेक्यूटर मशीन बीचिंग। बढ़ते अपराधों को लेकर चीन की एक मशहूर तकनीक कंपनी ने दुनिया का पहला आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पावर्ड प्रॉसेक्यूटर तैयार कर लिया है। यह एक ऐसा मशीनी प्रॉसेक्यूटर है, जो तर्कों और बहस के आधार पर अपराधियों की पहचान करेगा और जज के सामने सजा की मांग करेगा। दावा किया जा रहा है कि ये 'मशीनी प्रॉसेक्यूटर' 97 फीसदी तक सही तथ्य रखता है। शंघाई पुडोंग पीपुल्स प्रोक्यूरेटोरेट ने इस मशीन का निर्माण किया है। इसे एआई प्रॉसेक्यूटर कहा जा रहा है। निमार्ता ने दावा किया कि इसका उपयोग अभियोजकों के वर्कलोड को कम करने में मदद कर सकता है। 'मशीनी प्रॉसेक्यूटर' का उपयोग डेस्कटॉप कंप्यूटर पर किया जा सकता है। इस सिस्टम में अरबों आइटम्स का डेटा स्टोर किया जा सकेगा, जिनका विश्लेषण करके ये अपना तर्क देने में सक्षम होगा। मोटे तौर पर ये 'मशीनी प्रॉसेक्यूटर' पुलिस और सरकारी वकील वाला काम करेगी। मतलब प्रॉसेक्यूटर डेटा के आधार पर कोर्ट में अपराधियों की पहचान कर जज के सामने सजा की मांग करेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, इस एआई प्रॉसेक्यूटर को विकसित करने में साल 2015 से 2020 तक के हजारों लीगल केसेज का अध्ययन किया गया था। ये खतरनाक ड्राइवर्स, क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी, चोरी और जुए के मामलों का विश्लेषण करके अपराधियों की पहचान कर सकता है। हालांकि, इसको लेकर कुछ आशंका भी जताई जा रही है। एक चीनी प्रॉसेक्यूटर ने कहा कि 97 फीसदी सही फैसलों के बीच मशीन होने की वजह से हमेशा गलती होने की संभावना बनी रहेगी। प्रॉसेक्यूटर ने आगे कहा कि ऐसे में अगर कोई गलत फैसला हुआ तो जिम्मेदारी किसकी होगी? प्रॉसेक्यूटर, मशीन या फिर एल्गोरिथ्म के डिजाइनर? उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मशीन गलती तो पकड़ सकती है, लेकिन इसे फैसला लेने के लिए इंसानों की जगह रखना सही नहीं होगा।

कोरोना केस बढ़ने के बाद विभिन्न देशों में रद्द की गईं 11,500 उड़ानें

न्यूयॉर्क । कोरोना वायरस के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन का कहर दिखना शुरू हो गया है। अमेरिका और ब्रिटेन समेत कई देशों में ओमिक्रॉन के खतरे के बीच कोरोना के मामलों में तेजी आई है। सरकारें कड़े प्रतिबंध लागू करने के लिए विवश हो गई हैं। यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका के कई राज्यों में कोरोना के मामले रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद कई उड़ानों को रद्द किया गया है। ये उड़ानें ऐसे समय रद्द हुई हैं, जब क्रिसमस के मौके पर दुनियाभर के सैलानी ट्रैवल पर निकलते हैं। उड़ानें रद्द होने से मुसाफिर निराश हैं। मौजूदा समय यात्रा के लिहाज से साल का सबसे व्यस्त समय है। शुक्रवार से करीब 11,500 उड़ानों को रद्द किया गया है जबकि हजारों उड़ानों में विलंब हुआ है। कई एयरलाइन कंपनियों का कहना है कि कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन वेरिएंट के मामलों में तेजी के चलते स्टाफ की कमी हो गई है।
उड़ानों पर नजर रखने वाली वेबसाइट के मुताबिक, इसका असर दुनियाभर में पड़ा है. सोमवार को करीब तीन हजार उड़ानों को रद्द किया है, जबकि मंगलवार को 1100 और फ्लाइटों को रद्द किया गया है. लोगों के जल्द काम पर लौटने और व्यापक पैमाने पर श्रमबल की कमी की आशंका को कम करते हुए यूएस सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने सोमवार को लक्षणविहीन कोरोना मामलों के लिए आइसोलेशन अवधि को 10 से घटाकर 5 दिन कर दिया है। अमेरिका में कोरोना के मामले जनवरी में रिकॉर्ड ऊंचाई तक पहुंचने की ओर बढ़ रहे हैं। टीका नहीं लेने वालों की अच्छी खासी आबादी और तुरंत तथा आसान टेस्टिंग की कमी इस आशंका और बढ़ा रही है।

पाक पहुंचा धर्म संसद में हेट स्पीच का मामला, भारतीय राजनयिक को तलब किया गया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने भारत के विदेश मंत्रालय के प्रभारी उच्चायुक्त को तलब कर हाल में हरिद्वार में आयोजित सम्मेलन में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा भड़काने के लिए दिए गए नफरत भरे भाषण पर चिंता जताई। ज्ञात हो कि हरिद्वार में 16 से 19 दिसंबर के बीच वेद निकेतन धाम में आयोजित धर्म संसद में वक्ताओं ने मुसलमानों के खिलाफ कथित तौर पर नफरत फैलाने वाले भाषण दिए थे।
इस कार्यक्रम का आयोजन गाजियाबाद में डासना मंदिर के पुरोहित यति नरसिंहानंद ने किया था। मुसलमानों के खिलाफ नफरत भरे भाषणों और हिंसा को बढ़ावा देने के लिए पुलिस की पहले से ही नरसिंहानंद पर नजर है। इस कार्यक्रम में, कई वक्ताओं ने कथित तौर पर भड़काऊ और नफरत भरे भाषण दिए, इस दौरान कथित रूप से अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों की हत्या का आह्वान किया गया था।
पाकिस्तान ने भारतीय पक्ष को बताया कि नागरिक समाज और देश के लोगों के एक वर्ग ने कथित घृणास्पद भाषणों को गंभीर चिंता के साथ देखा है। पाकिस्तान विदेश कार्यालय के एक बयान के अनुसार भारत के लिए यह बहुत ही निंदनीय बात है कि न तो आयोजकों ने कोई खेद व्यक्त किया है और न ही भारत सरकार ने उनकी निंदा की है। उनके खिलाफ कोई कार्रवाई भी नहीं की गई है। विदेश कार्यालय ने कहा कि मुसलमानों के खिलाफ हिंसा की लगातार घटनाओं ने 'इस्लाम को लेकर डर की बिगडती प्रवृत्ति' को उजागर किया है और भारत में मुसलमानों के भाग्य की एक गंभीर तस्वीर पेश की है।
विदेश कार्यालय ने कहा भारत से इन घृणास्पद भाषणों और अल्पसंख्यकों के खिलाफ व्यापक हिंसा की घटनाओं की जांच करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उपाय करने की उम्मीद है। विदेश कार्यालय ने कहा भारत से इन घृणास्पद भाषणों और अल्पसंख्यकों के खिलाफ व्यापक हिंसा की घटनाओं की जांच करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उपाय करने की उम्मीद की जाती है।

कैलीफोर्निया में बर्फबारी में फंसे हुए वाहन।

स्टालिन के दमन का शिकार लोगों की सामूहिक कब्रों का खुलासा करने वाले की दमित्रीयेव की फिर बढ़ाई गई सजा

मास्को । रूस की एक अदालत ने स्टालिन के समय की दमन की छानबीन करने वाले एक सक्रियतावादी की कैद की सजा बढ़ा कर 15 साल कर दी है। यूरी दमित्रीयेव (65), स्टालिन के दमन में मारे गए लोगों की सामूहिक कब्र का खुलासा करने के बाद चर्चा में आए थे। उन्हें अपनी दत्तक पुत्री के यौन उत्पीड़न के आरोपों में गिरफ्तार किया गया था, जिसे लोगों ने मनगढ़ंत और राजनीति से प्रेरित आरोप बताते हुए खारिज कर दिया था।
दमित्रीयेव पर बाल अश्लीलता, अश्लील हरकतें करने और अवैध हथियार रखने का आरोप लगाया गया था। उन्हें सन 2016 में बरी कर दिया गया था, लेकिन कुछ ही महीने बाद उसके खिलाफ मामले को दोबारा खोल दिया गया। जुलाई 2020 में उसे अदालत ने अपनी बेटी के यौन उत्पीड़न के मामले में दोषी करार दिया और साढ़े तीन साल की कैद की सजा सुनाई गई, जिसे कई महीने बाद बढ़ा कर 13 साल कर दिया गया। वह जेल में पांच साल रह चुके हैं। सोमवार को, पेट्रोजावोदरक अदालत ने एक बार फिर कैद की सजा बढ़ा कर 15 साल कर दिया है। दमित्री के वकील अदालत के इस फैसले के खिलाफ अपील करने की योजना बना रहे हैं।

पाकिस्तान में कोरोना प्रभावितों को मिलने वाली राहत में हुआ घोटाला, इमरान खान सरकार पर लग रहे हैं घोटाले के आरोप

नयी दिल्ली (एजेंसी)

कंगाल पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान कोरोना वायरस के वक्त में लोगों को दी जाने वाली मदद के नाम पर अपनी सरकार की जेब भर रहे हैं। दरअसल कोरोना महामारी को लेकर एक ऑडिट रिपोर्ट तैयार की गई है। जिसमें राहत के नाम पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का खुलासा हुआ है, रिपोर्ट में वित्तीय अनियमितताओं के साथ-साथ लोगों के खाने के लिए अनुपयुक्त भोजन के विवरण की बात भी कही गई है।
कोरोना के लेकर जो ऑडिट रिपोर्ट तैयार की गई है वह बताती है कि पाकिस्तान सरकार द्वारा कोरोना महामारी के दौरान किए गए खर्च पर 5 जरूरी चीजें जिसमें चीनी,आटा, तेल, घी और चावल की उपलब्धता सुनिश्चित करने में सरकारी अनियमितता देखी गई है। न्यूज एजेंसी एनआई ने अल अरबिया की रिपोर्ट हवाले से कहा है कि, पाकिस्तान के सरकारी ऑडिटर जनरल ने बताया है कि, घोटाला महामारी के प्रभाव से निपटने के लिए संघर्ष कर रहे लोगों और स्वास्थय कर्मचारियों की सहायता करने के लिए पब्लिक के पैसों की चोरी का मामला है। रिपोर्ट के मुताबिक यह घोटाला काफी बड़ा हो सकता है। शायद इसीलिए इमरान खान सरकार ने सरकारी ऑडिट बॉडी को कागजात देने से मना कर दिया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि यह पाकिस्तानी पीएम का सबसे बड़ा घोटाला हो सकता है, रिपोर्ट में गलत खरीद, अयोग्य लाभार्थियों को पेमेंट, नकली बायोमैट्रिक्स के जरिये कैश निकासी और उपयोग में आने वाले सामानों के घटिया खरीद का खुलासा हुआ है।आपको बता दें कि, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी इमरान खान सरकार पर ऑडिट के लिए राहत पैकेज खर्च का खुलासा करने का दबाव बनाया है।

नहीं पूरा हो पाया टीकाकरण का वैश्विक लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)

साल के अंत तक हर देश की 40 प्रतिशत आबादी को टीका दिलवाने का विश्व स्वास्थ्य संगठन का लक्ष्य पूरा नहीं हो पाएगा. विशेष रूप से अफ्रीका में यह कमी गंभीर रहेगी.विश्व स्वास्थ्य संगठन के 194 सदस्य देशों में से आधे देशों में यह लक्ष्य पूरा नहीं हो पाएगा. करीब 40 देशों में तो 10 प्रतिशत लोगों को भी टीका नहीं लगा है. संगठन ने इसके लिए टीकों की जमाखोरी को सबसे बड़ा कारण बताया है और इसके पीछे विशेष रूप से मुट्ठी भर पश्चिमी देशों को जिम्मेदार ठहराया है जो अभी से बूस्टर टीके भी दे रहे हैं. अभी तक दुनिया भर में टीकों की 8.6 अरब से भी ज्यादा खुराकें दी जा चुकी हैं. लेकिन इनमें से अधिकांश ऊंची आय वाले देशों में दी गई हैं.
इन देशों के पास इतने संसाधन थे कि उन्होंने टीके बनाने वाली कंपनियों के साथ खुद ही करार कर लिए. दर्जनों देश टीकों की सप्लाई के लिए कोवैक्स पर निर्भर हैं जो कि संयुक्त राष्ट्र के समर्थन से बनाया गया टीकों को साझा करने का एक कार्यक्रम है. इसका उद्देश्य ही है कम आय वाले देशों में लोगों तक टीकों को पहुंचाना. कोवैक्स के जरिए पूरी दुनिया में टीकों की बराबर उपलब्धता का समर्थन नहीं करने के लिए समृद्ध देशों की काफी आलोचना हुई है. हालांकि हाल के हफ्तों में इस कार्यक्रम के जरिए टीकों को भेजा जाना फिर तेज हुआ है. दिसंबर के आखिरी हफ्ते तक कोवैक्स ने 72 करोड़ खुराकें इन देशों में पहुंचा दी थीं. लेकिन बाकी डाटा एक बेहद बुरी तस्वीर पेश करता है.

फिलिस्तीनी इमाम ने मुस्लिम शासकों पर लगाए गंभीर आरोप, कहा- समलैंगिकता की वजह से फैला कोरोना संक्रमण

नई दिल्ली (एजेंसी)

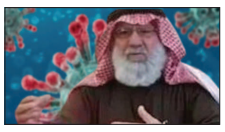

कोरोना के नए वेरिएंट 'ओमीक्रोन' ने हाहाकार मचाया हुआ है। इसी बीच फिलिस्तीन के एक इस्लामिक इमाम शेख इस्साम अमीरा ने ओमीक्रोन को लेकर विवादित बयान दे दिया। यरूशलम के अल-अक्सा मस्जिद में इमाम शेख इस्साम अमीरा ने कहा कि समलैंगिकता के कारण कोरोना संक्रमण फैला है।
तना ही नहीं उन्होंने कहा कि मुस्लिम शासक समलैंगिकता की अनुमति देते हैं। इसके साथ ही नारीवादी संगठनों का पालन करते हैं, जिसकी वजह से कोरोना अपने 'भारतीय संस्करण' और नए वेरिएंट 'ओमीक्रोन' के रूप में पूरा दुनिया में फैल रहा है। दरअसल, कोरोना का डेल्टा वेरिएंट भारत में सबसे पहले डिटेक्ट किया गया था, जिसकी वजह से इमाम ने उसे कोरोना का भारतीय संस्करण बताया। सोशल मीडिया पर इमाम का वीडियो भी वायरल हो रहा है। जिसमें देखा जा सकता है कि इमाम लोगों के बीच में खड़े होकर अपनी बात रख रहा है।
इमाम ने मीडिया को बताया काफिर
इतना ही नहीं इमाम ने अपने संबोधन में मीडिया को काफिर भी बताया। उन्होंने कहा कि जिन शासकों की वजह से ऐसी समस्या उत्पन्न हुई है, उसके खिलाफ सभी को एकत्रित होना चाहिए। इसके साथ ही इमाम ने यह भी कहा कि सरकार और मीडिया अगर वायरस के बारे में जानकारी नहीं देते तो यह नहीं फैलता।
आपको बता दें कि इजराइल में ओमीक्रोन के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है और पिछले 8 दिनों में तो मामले 24 फीसदी बढ़े हैं। माना जा रहा है कि ओमीक्रोन वेरिएंट डेल्टा की तुलना में तीन गुना ज्यादा संक्रामक है। हालांकि, वैक्सीनेशन ओमीक्रोन के संक्रमण से आंशिक सुरक्षा प्रदान करते हुए प्रतीत हो रहे हैं।

भारत का प्लान ड्रैगन, अमेरिका के जरिये चीन को बड़ा झटका देने की तैयारी में नेपाल

नई दिल्ली (एजेंसी)

नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने अपने भारत दौरे से ठीक पहले चीन को एक बड़ा झटका देने की तैयारी कर ली है। शेर बहादुर देउबा ने सभी राजनीतिक दलों के बीच आम सहमति बनाकर मिलेनियम चैलेंज कॉरपोरेशन के तहत अमेरिका से प्रस्तावित अनुदान सहायता की पुष्टि करने की आवश्यकता को रेखांकित किया, और कहा कि 500 मिलियन अमरीकी डालर का कार्यक्रम राष्ट्रीय हित के खिलाफ नहीं है। जिससे ड्रैगन बिफर गया है। चीन की ओर से कहा गया है कि अमेरिका ने अपने सियासी हितों और वैश्विक आधिपत्य को बरकरार रखने के लिए मानवाधिकारों के राजनीतिकरण का सहारा लिया है।
अमेरिका को देश में लाकर विकास योजनाओं पर काम कराने के इच्छुक
सीपीएन-माओवादी सेंटर के आठवें आम सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में देउबा ने सभी राजनीतिक दलों के बीच आम सहमति बनाकर 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर के एमसीसी समझौते की पुष्टि करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कुछ राजनीतिक नेताओं द्वारा व्यक्त किए गए विचार को खारिज कर दिया कि समझौता नेपाल के राष्ट्रीय हित के खिलाफ है। उन्होंने कहा, 'यह अनुदान सहायता है, इसलिए एमसीसी के राष्ट्रीय हित के खिलाफ जाने का कोई सवाल ही नहीं है।' 'मिलेनियम चैलेंज कॉर्पोरेशन' 2004 में अमेरिकी कांग्रेस द्वारा स्थापित एक द्विपक्षीय अमेरिकी विदेशी सहायता एजेंसी है।
भारत के दौरे पर आ रहे देउबा
नए साल पर पड़ोसी मुल्क से खास मेहमान भारत के दौरे पर आ रहा है। नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट में हिस्सा लेने के लिए भारत के दौरे पर आ रहे हैं। देउबा के पीएम मोदी से भी मीटिंग की उम्मीद जताई जा रही है। देउबा के भारत दौरे में चीन की गतिविधियों पर भी चर्चा संभव है। देउबा भारत के दौरे पर आ रहे हैं इस बात का भरोसा दिलाने के लिए कि उनके लिए भारत जैसे पड़ोसी देश की क्या अहमियत है। इसके साथ ही नेपाल भारत और चीन के बीच बैलेंस बनाने की कोशिश में लगा है। यूएस के प्रोजेक्ट को लेकर नेपाल ने
क्या है अमेरिका-नेपाल एमसीसी समझौता
नेपाल और अमेरिका ने 2017 में मिलेनियम चैलेंज कॉर्पोरेशन समझौता किया था। एमसीसी के तहत अमेरिकी सरकार नेपाल को कई प्रोजेक्ट के लिए अनुदान देगी। अनुदान का उपयोग मुख्य रूप से नेपाल की बिजली परियोजनाओं में होगा। इससे नेपाल में ट्रांसमिशन लाइन को मजबूत किया जाएगा। इससे नेपाल आसानी से भारत को पनबिजली का निर्यात कर पाएगा। अमेरिका इसके जरिये नेपाल में सड़क नेटवर्क भी सुधार करेगा।

शिया समुदाय की तालिबान से अपील, हमारे अधिकारों की रक्षा की जाए; सरकार में मिले जगह

काबुल (एजेंसी)

अफगानिस्तान में उत्पीड़न का सामना कर रहे शिया समुदाय ने तालिबान सरकार से अपने संप्रदाय को औपचारिक तौर पर मान्यता देने और एक समावेशी सरकार के ढांचे में शिया नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने की अपील की है।
तालिबान ने दिया है सुरक्षा का आश्वासन
खामा प्रेस की रिपोर्ट बताती है कि अफगानिस्तान में शिया लोगों ने अपने सभी राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, बोलने की स्वतंत्रता और राजनीतिक भागीदारी की सुरक्षा की अपील की है। उन्होंने शिया लोगों के लिए विशेष अदालतें बनाने की भी मांग की, जहां वे अपने कानून को लागू कर सकें। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि अफगान सरकार उनकी भागीदारी के बिना समावेशी नहीं होगी क्योंकि वे अफगान आबादी का 25 फीसद हिस्सा हैं। यह अपील तब की गई है जब कई शिया नेताओं ने 26 दिसंबर को तालिबान पीएम अब्दुल कबीर के राजनीतिक डिप्टी के साथ मुलाकात की और उन्हें अफगानिस्तान में उनकी सुरक्षा का आश्वासन दिया गया।

इस्लामिक स्टेट कर रहा शियाओं को टारगेट
दशकों से अफगानिस्तान के शिया समुदाय के लोगों को हिंसा में निशाना बनाया जाता है। बता दें कि तालिबान शियाओं को विधर्मी मानते हैं। हाल के दिनों में इस्लामिक स्टेट ऑफ खोरासन ने भी शियाओं पर हमले किए हैं।
अगस्त 2021 में काबुल पर कब्जा करने के बाद तालिबान ने शियाओं पर हमला न करने का वादा किया था। तालिबान ने अपने कार्यकाल के दौरान शियाओं को बुरी तरह से निशाना बनाया था। अबकी तालिबान ने शियाओं को आशूरा का पवित्र अवकाश मनाने की इजाजत दी है। उन्होंने शिया समुदायों में पहुंच बनाने के लिए एक शिया मौलवी को भेजा है। तालिबान नेताओं ने एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए शिया मस्जिदों का दौरा किया है।
अक्टूबर में मस्जिदों में इस्लामिक स्टेट ऑफ खोरासन द्वारा दो आत्मघाती बम विस्फोटों में एक साथ 90 से अधिक लोग मारे गए और सैकड़ों अन्य घायल हो गए। ऐसे में सवाल उठते हैं कि क्या तालिबान इस्लामिक स्टेट के अभियान को अफगान शियाओं के खिलाफ कंट्रोल कर पायेगा।

कनाडाई कपल ने अबू धाबी में नए कानून के तहत गैर मुस्लिम के रूप में की शादी

-यूएई में बदलाव की बयार, गैर मुस्लिम कपल के लिए पहला सिविल मैरिज लाइसेंस जारी दुबई । संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने एक गैर मुस्लिम कपल के लिए पहला सिविल मैरिज लाइसेंस जारी किया है। यूएई ने यह कदम ऐसे समय पर उठाया है, जब वह अपने क्षेत्रीय प्रतियोगियों से आगे बने रहना चाहता है। देश की कुल आबादी में करीब 90 फीसदी लोग विदेशी हैं, जबकि देश की कुल आबादी करीब एक करोड़ है। यूएई इस कट्टरपंथी इलाके में खुद को उदार दिखाने की कोशिश कर रहा है। कनाडा के एक कपल ने अबू धाबी में नए कानून के तहत गैर मुस्लिम के रूप में शादी की।
एजेंसी ने कहा इस कदम के जरिए अबू धाबी दुनिया में कुशल और विशेषज्ञ लोगों का पसंदीदा ठिकाना बनेगा। इस्लाम, ईसाई और यहूदी धर्म के जन्मस्थली पश्चिम एशिया में सिविल मैरिज एक असामान्य बात है और आमतौर पर इसे एक धार्मिक प्राधिकरण के तहत किया जाता है।
ट्यूनिशिया और अल्जीरिया में सिविल मैरिज की अनुमति है। इससे पहले यूएई के अबूधाबी में गैर मुस्लिमों को नए सिविल लॉ के मुताबिक शादी करने, तलाक देने और बच्चे की संयुक्त कस्टडी हासिल करने का अधिकार दिया गया था। यूएई के शासकों की ओर से जारी नए आदेश में इसकी अनुमति दी गई थी। माना जा रहा है कि अबूधाबी ने खाड़ी देशों में व्यवसायिक हब बन रहे अन्य क्षेत्रों पर प्रतिद्वंदिता में बढ़त हासिल करने के लिए यह नया आदेश जारी किया है। अभी तक अबू धाबी में शादी और तलाक पर कानून अन्?य खाड़ी देशों की तरह से इस्?लामिक शरिया कानून पर आधारित थे।
अबूधाबी के शेख खलीफा बिन जायद अल नहयान की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि यह सिविल मैरिज, तलाक, गुजारा भत्ता, बच्चों की संयुक्त कस्टडी, पितृत्व का सबूत और उत्तराधिकार सभी को समाहित करता है। अल नहयान यूएई के सातों अमीरात के संघ के अध्यक्ष हैं।

सुविचार जिस राष्ट्र में चरित्रशीलता नहीं है उसमें कोई योजना काम नहीं कर सकती। - विनोबा भावे

संपादकीय

पैमाने पर चिकित्सा

स्वास्थ्य सेवाओं के मोर्चे पर सुधार के लिए अभी युद्ध-स्तर पर प्रयास की जरूरत है। विशेष रूप से कोरोना महामारी के समय हमने स्वास्थ्य सेवाओं को घुटने टेकते देखा है। अतः नीति आयोग द्वारा सोमवार को जारी चौथे स्वास्थ्य सूचकांक की प्रासंगिकता बढ़ गई है। सूचकांक के अनुसार, स्वास्थ्य सेवा देने के मोर्चे पर केरल सबसे आगे है। देश के 19 बड़े सूबों में केरल की विकासशीलता सबके लिए प्रेरणादायी है। कोरोना महामारी को ही अगर हम लें, तो जांच से लेकर इलाज तक यह राज्य सबसे आगे रहा है, इसलिए वहां महामारी के भयंकर प्रकोप के बावजूद स्थितियां बेकाबू नहीं हुई हैं। वैसे इस स्वास्थ्य सूचकांक का संदर्भ वर्ष 2019-20 है और देश की चिकित्सा व्यवस्था का असली परीक्षण वर्ष 2020-21 और उसके बाद हुआ है। जब पांचवां स्वास्थ्य सूचकांक जारी होगा, तो स्थिति और भी स्पष्ट होकर सामने आएगी। स्वास्थ्य सूचकांक राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों को मजबूत स्वास्थ्य प्रणाली विकसित करने, स्वास्थ्य परिणामों पर प्रगति की निगरानी करने, स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा बनाने और परस्पर एक-दूसरे से सीखने को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक कारगर कदम है। तमिलनाडु व तेलंगाना स्वास्थ्य मानकों पर क्रमशः दूसरे और तीसरे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य के रूप में उभरे हैं। विश्व बैंक की तकनीकी सहायता से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से तैयार इस रिपोर्ट में छोटे राज्यों या केंद्रशासित प्रदेशों के मोर्चे पर अगर देखें, तो मिजोरम सबसे बेहतर है, पर यहां दिल्ली का पिछड़ना विशेष रूप से चिंतनीय है। ऐसे किसी भी सूचकांक में राष्ट्रीय राजधानी को सबसे ऊपर और सबसे बेहतर होना ही चाहिए। अगर ऐसा नहीं है, तो तमाम जिम्मेदार लोगों को चिंतित अवश्य होना चाहिए। अफसोस की बात है कि बेहतरी के पैमानों पर दिल्ली पिछड़ रही है। सबसे ज्यादा भीड़, सबसे ज्यादा प्रदूषण, गरीबों की दृष्टि से सबसे ज्यादा अभाव दिल्ली में क्यों है? लॉकडाउन व पलायन के समय भी दिल्ली ने गरीबों को निराश ही किया था। बहरहाल, केरल को सर्वोच्च स्थान पर देखकर ज्यादातर लोगों को आश्चर्य नहीं होगा, लेकिन क्या उत्तर प्रदेश बड़े राज्यों में वाकई सबसे पीछे है? क्या उत्तर प्रदेश इस मामले में बिहार और झारखंड से भी पीछे है? राष्ट्रीय राजधानी के बगल में स्थित उत्तर प्रदेश में स्थितियां बेहतर होनी चाहिए। चिकित्सा का ढांचा अचानक से नहीं सुधरता है। केरल ने इसके लिए सिलसिलेवार काम किए हैं, तमिलनाडु में लोग आगे बढ़कर स्वास्थ्य सेवाएं मांगते हैं, डॉक्टर व अस्पताल मांगते हैं, लेकिन स्वास्थ्य सूचकांक में जो प्रदेश पिछड़ गए हैं, क्या वहां के लोग भी आगे आकर यथोचित सेवाओं की मांग करते हैं? क्या उत्तर भारत के राज्यों में स्वास्थ्य सुधार या चिकित्सा विकास को चुनावी मुद्दा माना जाता है? स्वास्थ्य सूचकांक में सबसे ऊपर स्थित केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र से अन्य तमाम राज्यों को सीखना चाहिए? जो राज्य आज चिकित्सा सेवाओं में बेहतर स्थिति में हैं, वहां दूसरी लहर के समय भी हाहाकार नहीं मचा था। लोगों को जांच या इलाज के लिए ज्यादा भागना नहीं पड़ रहा था। हमें लक्ष्य निर्धारित करते हुए चलना होगा, ताकि आने वाले वर्षों में तुलनात्मक रूप से पिछड़े प्रदेशों में भी केरल जैसी सुविधाएं हासिल हों।

प्रगति पर डिजिटल भारत अभियान

- डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रधानमंत्री के रूप में सुशासन की स्थापना की थी। उन्होंने पारदर्शी तरीके से सरकार चलाई। उनकी सरकार जब बहुमत से केवल एक कदम पीछे थी,तब भी उन्होंने अनुचित प्रबंधन से सरकार बचाने का प्रयास नहीं किया था। वस्तुत:यह उनकी विचारधारा और सार्वजनिक जीवन शैली के अनुरूप था, जिसमें निजी हितों का कोई महत्व नहीं था। उन्होंने अपने शासनकाल में भारत में टेलीकॉम क्रांति की शुरुआत की थी। टेलीकॉम से संबंधित सभी मामलों को तेजी से निपटाया गया। ट्राई की सिफारिशें लागू की गईं। स्पैक्ट्रम का आवंटन इतनी तेजी से हुआ कि मोबाइल के क्षेत्र में क्रांति की शुरुआत हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनकी जयंती पर एक करोड़ विद्यार्थियों को स्मार्टफोन और टैबलेट देने की योजना का शुभारंभ किया। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी ईकाना स्टेडियम में अटल जयंती पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें एक लाख युवाओं को फ्री स्मार्टफोन और टैबलेट का तोहफा दिया गया। राजनीति और राजनीति शास्त्र दोनों अलग क्षेत्र हैं। राजनीति में सक्रियता या आचरण का बोध होता है, राजनीति शास्त्र में ज्ञान की जिज्ञासा होती है। अटल बिहारी वाजपेयी ने इन दोनों क्षेत्रों में समान रूप से आदर्श का पालन किया। राजनीति में आने से पहले वह राजनीति शास्त्र के विद्यार्थी थे। कानपुर के डीएवी कॉलेज में नई पीढ़ी भी उनकी यादों का अनुभव करती है। अटल जी उन नेताओं में शुमार थे,जिनके कारण किसी पद की गरिमा बढ़ती है। वह बहुत होनहार विद्यार्थी थे। विद्यार्थियों को स्मार्टफोन और टैबलेट में पढ़ाई के लिए कंटेंट मिलेगा। साथ ही रोजगार से संबंधित जानकारियां भी दी जाएंगी। इस अवसर पर योगी अदित्यनाथ ने डिजि शक्ति पोर्टल और डिजि शक्ति अध्ययन ऐप को लांच किया। सभी स्मार्टफोन और टैबलेट में डिजि शक्ति अध्ययन ऐप इंस्टाल है। इसके माध्यम से संबंधित यूनिवर्सिटी या डिपार्टमेंट छात्रों को पढ़ाई के लिए कंटेंट देंगे। साथ ही शासन की ओर से बूट लोगो और वाल पेपर के माध्यम से रोजगारपरक योजनाओं आदि की भी जानकारी दी जाएगी। सरकार की ओर से नामी आईटी कंपनी इंफोसिस से अनुबंध किया जा रहा है। इससे इंफोसिस के शिक्षा और रोजगार से जुड़े करीब चार हजार प्रोग्राम नि:शुल्क युवाओं को उपलब्ध होंगे। जिन युवाओं का रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाया है,उन युवाओं का डिजि शक्ति पोर्टल पर फिर से रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है। लखनऊ अटल जी कर्मभूमि रही है। उनका कहना था कि छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता। इसलिए छोटा मन हमें नहीं रखना चाहिए। इसलिए विराट सोच के साथ खड़ा होने का जज्बा होना चाहिए। इस जज्बे के साथ जब हमारा युवा खड़ा होगा तो वह ही नहीं सम्पूर्ण देश मजबूती से आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री ने योगी आदित्यनाथ ने समझा कि प्रदेश के बच्चे स्मार्ट फोन और टैबलेट के अभाव में पढ़ाई के लिए परेशान होते थे। इसलिए विद्यार्थियों के हित में यह निर्णय लिया। योगी आदित्यनाथ ने युवाओं से सोच ईमानदार तो काम दमदार का नारा भी लगवाया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने देश के शिक्षा विभाग की ओर से मुख्यमंत्री आदित्यनाथ का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि कोरोना कॉल में पूरी दुनिया की मेधा चहारदीवारी में कैद हो गयी। ऐसे समय में स्मार्टफोन और टैबलेट पर ही पूरी दुनिया काम करने लगी। पठन-पाठन से लेकर अन्य कार्य डीजिटल माध्यम से हुआ। अब उत्तर प्रदेश को एक नम्बर पर लाने से दुनिया की कोई ताकत नहीं रोक सकती। अटल जी ने छह दशक तक देश की राजनीति को पूरी शुचिता एवं पारदर्शिता के साथ नई दिशा देने का कार्य किया। वह सार्वजनिक जीवन जीने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रेरणादायी बना रहेगा। अटल जी का कहना था कि राजनीति सिद्धान्त विहीन नहीं होनी चाहिए, व्यक्ति को मूल्यों और सिद्धान्तों के साथ जीना चाहिए। देश समाज व सिद्धान्तों के लिए जीने वाले व्यक्ति का जीवन ही सार्थक और प्रेरणादायी होता है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विराट सोच व्यक्तित्व को भी विराटता प्रदान करती है। युवाओं को हताशा और निराशा से मुक्त होकर विराट सोच के प्रयास करने चाहिये। इसके लिए सात वर्ष पूर्व चालीस करोड़ गरीबों के जनधन बैंक खाते खुलवाए गए। वर्ष पूर्व स्टार्ट अप इण्डिया, स्टैण्ड अप इण्डिया, डिजिटल इण्डिया आदि योजनाएं प्रारम्भ की गईं।कोरोना कालखण्ड में जनधन खातों सहित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गरीबों की सहायता करना संभव हुआ। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अन्तर्गत प्रतियोगियों के लिए नि:शुल्क कोचिंग की व्यवस्था की गई। निकट भविष्य में प्रत्येक जनपद स्तर पर भी यह कोचिंग संस्थान प्रारम्भ किए जाएंगे। एक जनपद एक उत्पाद योजना लागू की गई। परिणामस्वरूप डेढ़ करोड़ से अधिक युवाओं को राज्य में ही उद्योगों में रोजगार प्राप्त हुआ है। स्वरोजगार हेतु संचालित योजनाओं,विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना आदि के माध्यम से साठ लाख युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ा गया। पांच वर्ष पहले प्रदेश में बेरोजगारी दर लगभग अठारह प्रतिशत थी। यह अब घटकर लगभग साढ़े चार प्रतिशत रह गयी है। इसके अलावा अटल जी की जयंती पर योगी आदित्यनाथ ने आगरा में उनके पैतृक गांव बटेश्वर धाम में सांस्कृतिक संकुल घाटों का निर्माण,पर्यटन विकास एवं सौन्दर्यीकरण सहित दो सौ तीस करोड़ रुपये की ग्यारह योजनाओं का शिलान्यास लोकार्पण किया। इसमें बटेश्वर धाम में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी सांस्कृतिक संकुल का शिलान्यास प्रमुख रूप से शामिल है। उन्होंने वर्तमान सरकार ने सत्ता में आने पर प्रत्येक विद्यालय में संस्कृत के अध्यापकों की तत्काल तैनाती कराए जाने का निर्णय लिया। यह सुनिश्चित किया कि वहां योग्यतम आचार्य रखे जाएं। इसके अलावा, संस्कृत के बच्चों को छात्रावास में रहने की व्यवस्था करायी जाए। सरकार ने संस्कृत की शिक्षा प्रदान करने की व्यवस्था करायी। इससे किसी भी छात्र और आचार्य को भटकना नहीं पड़ेगा। केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा अटल जी की स्मृति में अनेक कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। अटल जी के नाम पर प्रदेश की पहली मेडिकल यूनिवर्सिटी लखनऊ में स्थापित की जा चुकी है। प्रत्येक मण्डल में अटल आवासीय विद्यालय बनाए जा रहे हैं। श्रमिकों के बच्चों तथा अनाथ बच्चों को उत्तम शिक्षा प्रदान करने के लिए इन आवासीय विद्यालयों की स्थापना की जा रही है। अटल जी के नाम पर चवालीस इण्टर कॉलेज का निर्माण हो चुका है। प्रदेश सरकार द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय में अटल सुशासन पीठ, अटल स्मृति उपवन, अटल बिहारी वाजपेयी संस्कृति पुरस्कार, डीएवी कॉलेज कानपुर में अटल बिहारी वाजपेयी सेण्टर ऑफ एक्सीलेंस,बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ में भी अटल बिहारी वाजपेयी पीठ,लखनऊ में अटल राष्ट्र प्रेरणा स्थल की स्थापना की गई है। इसके अलावा, प्रदेश के सबसे बड़े स्टेडियम का नाम अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम रखा गया है। प्रदेश सरकार ने विभिन्न परियोजनाओं को आगे बढ़ाने का कार्य किया है।

व्यक्ति को अमृत कर देती हैं भावनाएं

योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

सच मानिए, भावना व्यक्ति को अमृत कर देती है। जिन्हें इस सच पर विश्वास न हो, वे श्रीकृष्ण और सुदामा की उस मुलाकात को याद कर लें, जब अपने बाल-सखा सुदामा के चरणों को द्वारिकाधीश ने आंसुओं के गंगा-जल से धोया था। याद कीजिए पन्ना धाय के उस त्याग को, जिसके बल पर उसने राजकुंवर को बचाने के लिए अपना पुत्र शत्रुओं को सौंप दिया। त्याग की भावना को विश्व की सर्वोच्च पावनतम भावना माना गया है। संत तिरुवल्लुवर का कथन है 'जिन्होंने सब कुछ त्याग दिया, वे मुक्ति के मार्ग पर हैं, बाकी सब मोहजाल में फंसे हुए हैं।' और कविकुल गुरु रवींद्रनाथ ठाकुर कहते हैं कि 'प्रेम के बिना त्याग नहीं होता और त्याग के बिना प्रेम असंभव है।' त्याग की भावना पर मुझे कविवर गजानन माधव मुक्तिबोध की पंक्तियां याद आती हैं। वे कहते हैं :-

'अब तक क्या किया? जीवन क्या जिया?
ज्यादा लिया और दिया बहुत-बहुत कम,
मर गया देश, अरे! जीवित रह गए तुम?'

आज मुझे इसी 'त्याग-भावना' पर मेरे एक आत्मीय ने ऐसी पोस्ट भेजी है।

'शहर के एक अंतर्राष्ट्रीय प्रसिद्धि के विद्यालय के बग़ीचे में तेज़ धूप और गर्मी की परवाह किये बिना, बड़ी लगन से पेड़-पौधों की काट-छांट में वह लगा हुआ था कि तभी विद्यालय के चपरासी की आवाज़ सुनाई दी, अरे! गंगादास! तुझे प्रधानाचार्या जी तुरंत बुला रही हैं।' गंगादास शीघ्रता से उठा, हाथों को धोकर साफ़ किया और तेजी से प्रधानाचार्या के कार्यालय की ओर चल दिया। गंगादास एक ईमानदार कर्मचारी था और अपने कार्य को पूर्ण निष्ठा से पूर्ण करता था। वह प्रधानाचार्या के कार्यालय पहुंचा, 'मैडम, क्या मैं अंदर आ जाऊं? आपने मुझे बुलाया था।' 'हां, आओ और यह देखो' प्रधानाचार्या गंगादास से बोली। उनकी उंगली एक पेपर की ओर इशारा कर रही थी। 'पढ़ो इसे' प्रधानाचार्या ने आदेश दिया। 'मैं तो इंग्लिश पढ़ना नहीं जानता मैडम!' गंगादास ने घबरा कर उत्तर दिया। 'मैं आपसे क्षमा चाहता हूं मैडम। यदि कोई गलती हो गयी हो तो। मैं आपका और विद्यालय का पहले से ही बहुत ऋणी हूं, क्योंकि आपने मेरी बिटिया को इस विद्यालय में नि:शुल्क पढ़ने की इज़ाज़त दी है।' गंगादास बिना रुके घबरा कर बोलता चला जा रहा था। प्रधानाचार्या ने गंगादास को टोका, 'तुम बेकार में अनुमान लगा रहे हो। थोड़ा इंतज़ार करो, मैं तुम्हारी बिटिया की क्लास टीचर को बुलाती हूं।' गंगादास सोच रहा था कि क्या उसकी बिटिया से कोई ग़लती हो गयी? अब तो उसकी चिंता और बढ़ गयी थी। क्लास टीचर के पहुंचते ही प्रधानाचार्या बोली, 'हमने तुम्हारी बिटिया की प्रतिभा को देख और परख कर ही उसे अपने विद्यालय में पढ़ने की अनुमति दी थी। अब ये मैडम इस पेपर में जो लिखा है, उसे पढ़कर हिंदी में तुम्हें सुनाएंगी।' कक्षा-अध्यापिका बोली, 'आज 'मदर्स डे' था, मैंने कक्षा में सभी बच्चों को अपनी अपनी मां के बारे में एक लेख लिखने को कहा। अध्यापिका ने गंगादास की बेटी का लिखा हुआ लेख पढ़ना शुरू किया।'मैं एक गांव में रहती थी। एक ऐसा गांव, जहां शिक्षा और चिकित्सा की सुविधाओं का आज भी अभाव है। चिकित्सा के अभाव में कितनी ही मांयें दम तोड़ देती हैं बच्चों के जन्म के समय। मेरी मां भी उनमें से एक थीं। उन्होंने मुझे छुआ भी नहीं कि चल बसीं। मेरे पिता ही वे पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने मुझे गोद में लिया। बाक़ी की नज़र में तो मैं 'अपनी मां को खा गई' थी। मेरे दादा-दादी चाहते थे कि मेरे पिताजी दुबारा विवाह करके एक पोते को इस दुनिया में लायें ताकि उनका वंश आगे चल सके, परंतु मेरे पिताजी ने उनकी एक न सुनी और दुबारा विवाह करने से मना कर दिया। इस वज़ह से मेरे दादा-दादीजी ने उनको अपने से अलग कर दिया और पिताजी सब कुछ, ज़मीन, खेतीबाड़ी, घर की सुविधा आदि छोड़ कर, मुझे साथ लेकर, शहर चले आये और इसी विद्यालय में माली का कार्य करने लगे। मेरी ज़रूरतों पर मां की तरह हर पल उनका ध्यान रहता है।''यदि संक्षेप में कहूं कि प्यार, देखभाल, दयाभाव और त्याग मां की पहचान हैं, तो मेरे पिताजी उस पहचान पर पूरी तरह से खरे उतरते हैं और मेरे पिताजी विश्व की 'सबसे अच्छी मां' हैं। आज 'मातृ दिवस' पर मैं अपने पिताजी को यही कहूंगी कि आप संसार के सबसे अच्छे पालक हैं। बहुत गर्व से कहूंगी कि ये जो हमारे विद्यालय के परिश्रमी माली हैं, ये मेरे पिता हैं।' लेख के आख़िरी शब्द पढ़ते-पढ़ते अध्यापिका का गला भर आया था और प्रधानाचार्या के कार्यालय में शांति छा गयी थी। इस शांति में केवल माली गंगादास के सिसकने की आवाज़ सुनाई दे रही थी। वह केवल हाथ जोड़ कर वहां खड़ा था। उसने उस पेपर को अध्यापिका से लिया और अपने हृदय से लगाकर फूट-फूट कर रो पड़ा। प्रधानाचार्या ने खड़े होकर उसे एक कुर्सी पर बैठाया और एक गिलास पानी देकर कहा, 'गंगादास तुम्हारी बिटिया को इस लेख के लिए पूरे 10 में से 10 नम्बर मिले हैं। हम कल विद्यालय में 'मदर्स डे' बड़े ज़ोर-शोर से मना रहे हैं। विद्यालय की प्रबंधक कमेटी ने आपको इस कार्यक्रम का मुख्य अतिथि बनाने का निर्णय लिया है। यह सम्मान होगा उस प्यार, देखभाल, दयाभाव और त्याग का, जो एक आदमी अपने बच्चे के पालन के लिए कर सकता है। साथ ही यह अनुशंसा है उस विश्वास की, जो आपकी बेटी ने आप पर दिखाया है।' मुझे बताइए, क्या गंगादास के त्याग की पावन भावना और उसकी पुत्री की असीम कृतज्ञता की गंगा ने एक माली को अमृत नहीं बना दिया है? क्या आप इस पिता के उस त्याग को भूल सकते हैं, जो उसने 'मां' बन कर अपनी बेटी को पालन करने में दिखाया है? भावना के इस अमृत को बचाए रखिए, यही आप को भी अमृत बनाएगा।

आज के कार्टून

कर्मफल

श्रीराम शर्मा आचार्य

अहंकार और अत्याचार संसार में आज तक किसी को बुरे कर्मफल से बचा न पाए। रावण का असुरत्व यों मिटा कि उसके सवा दो लाख सदस्यों के परिवार में दीपक जलाने वाला भी कोई न बचा। कंस, दुर्योधन, हिरण्यकशिपु की कहानियां पुरानी पड़ गई। हिटलर, सालाजार, चंगेज और सकिंदर, नेपोलियन जैसे नर-संहारकों का अंत कितना भयंकर हुआ यह भी अब अतीत की गाथाएं हैं। नागासाकी पर बम गिराने वाले अमेरिकन वैमानिक फ्रेड ओलीपी और हिरोशिमा के विलेन मेजर ईथरली का अंत कितना बुरा हुआ, यह देखकर सुनकर सैकड़ों लोगों ने अनुभव कर लिया कि संसार संरक्षक के बिना नहीं है। शुभ-अशुभ कर्मो का फल देने वाला न रहता होता, तो संसार में आज जो भी कुछ चहल-पहल दिखाई दे रही है, वह कभी की नष्ट हो चुकी होती। यहां कहानी एक ऐसे विलेन की है जिसने अपने दुष्कर्मो का बुरा अंत अभी-अभी कुछ दिन पहले ही भोगा है। जलियावाला हत्याकांड की जब तक याद रहेगी तब तक जनरल डायर का डरावना चेहरा भारतीय प्रजा के मस्तिष्क से न उतरेगा। पर बहुत कम लोग जानते होंगे कि डायर को भी अपनी करनी का फल वैसे ही मिला जैसे सहसबाहु, खर-दूषण, वृत्रासुर आदि को। हंटर कमेटी ने उसके कार्यों की सार्वजनिक निंदा की, उससे उसका मन अशांत हो उठा। तत्कालीन भारतीय सेनापति ने उसके किए हुए काम को बुरा ठहराकर त्यागपत्र देने का आदेश दिया। फलतः अच्छी खासी नौकरी हाथ से गई। 1921 में जनरल डायर को पक्षाघात हो गया। उसका आधा शरीर बेकार हो गया। गठिया हो गया। उसके मित्र साथ छोड़ गए। उसके संरक्षक माइकेल ओडायर की हत्या कर दी गई। ऐसी ही स्थिति में एक दिन उसके दिमाग की नस फट गई। लाख कोशिशों के बावजूद ठीक नहीं हुई। डायर सिसक-सिसक कर, तड़प-तड़प कर मर गया। अंतिम शब्द उसके यह थे-'मनुष्य को परमात्मा ने यह जो जीवन दिया है, उसे बहुत सोच-समझ कर बिताने वाले ही व्यक्ति बुद्धिमान होते हैं, पर जो अपने को मुझ जैसा चतुर और अहंकारी मानते हैं, जो कुछ भी करते न डरते हैं, न लजाते हैं, उनका क्या अंत हो सकता है? यह किसी को जानना हो तो इन प्रस्तुत क्षणों में मुझसे जान ले।'

सू-दोकू नवताल -2003

		5		2	7	4		6
	9		5					1
6			9	8	1	2		
	4					8		7
		6		7		5		
8		9					1	
		3	8	1	2			4
4					6		5	
7		2	4	5		1		

सू-दोकू 2002 का हल

3	5	6	7	2	1	8	4	9
9	1	7	6	4	8	5	3	2
2	4	8	3	9	5	7	1	6
8	6	1	2	7	9	3	5	4
7	2	4	5	3	6	1	9	8
5	9	3	8	1	4	2	6	7
6	8	9	1	5	7	4	2	3
1	7	2	4	6	3	9	8	5
4	3	5	9	8	2	6	7	1

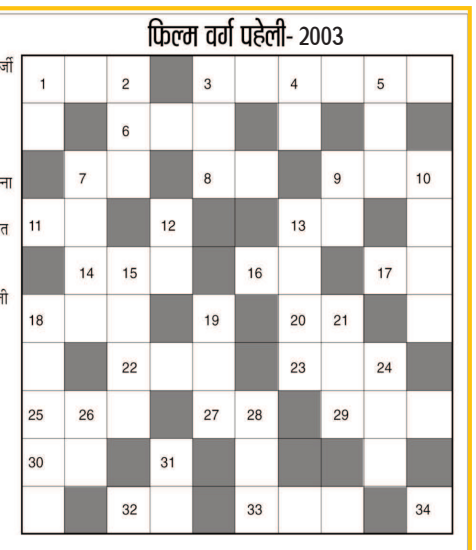

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2003

बायें से दायें:-

1. अमिताभ, सलमान खान, जॉन अब्राहम, हेमा, रानी मुखर्जी की एक फिल्म-3
3. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर अभिनीत एक फिल्म-3,3
6. तुषार कपूर की 'दिलकश ये एहसास है' गीत वाली फिल्म-3
7. 'बेईमान पिया रे' गीत वाली अजग देवगन, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2
8. मिलिंद सोमण, राज जुत्शी की 'गोरी तोरे नैना बावरे' गीत वाली फिल्म-2
9. धर्मेंद्र, जीतेंद्र, हेमा की गुलजार निर्देशित फिल्म-3
11. सनी देओल, तब्बू की 'एक लड़की बस गई' गीत वाली फिल्म-2
13. 'तुझे रब ने बनाया है कमाल' गीत वाली फिल्म-2
14. सलमान खान, किरण झवेरी की एक फिल्म-3
16. राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-2
17. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-2
18. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-3
20. 'मुंडिया तो बच के' गीत वाली फिल्म-2
22. अमोल पालेकर, रंजीता की फिल्म-3
23. 'फिर छिड़ी बात, बात फूलों की' गीत वाली फिल्म-3
25. अभिषेक, अजय देवगन, बिपाशा अभिनीत फिल्म-3
27. फिल्म 'हवस' में अनिल धवन की नायिका-2
29. सनी, सुनील शेट्टी की फिल्म-3
30. सुनील शेट्टी की पत्नी का नाम-2
32. 'दिल ने ये जाना' गीतवाली फिल्म-2
33. 'जिंदगी इम्तिहान लेती है' गीतवाली फिल्म-3
34. 'आई ने के सौ टुकड़े' गीतवाली फिल्म-1

ऊपर से नीचे:-

1. राजेश खन्ना, हेमा, दीपक पाराशर की फिल्म-2
2. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-3
3. 'जिन्हें हम भूलना चाहें' गीत वाली फिल्म-3
4. फिल्म 'शीशा' में सोनू सूद की नायिका-2
5 विनोद खन्ना, महमूद, भारती की फिल्म-3
7. किशोर कुमार, माला सिन्हा की 'तोड़ो ना दिल बेकरार का' गीत वाली फिल्म-4
9. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-2
10.शाहरुख, विवेक मुशरान, जुही चावला की फिल्म-4
12. शाहरुख खान, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-2
13. 'मेरे नैना सावन भादों' गीतवाली फिल्म-4
15. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-4
18. 'चोरों को सारे नजर आते हैं चोर' गीतवाली फिल्म-2,3
19. विनोद खन्ना, ऋषि, श्रीदेवी, जूही की फिल्म-3
21. 'मेरे गाल छुए जो तू' गीतवाली फिल्म-3
24. राहुल खन्ना, जिम्मी शेरगिल तनुश्री दत्ता की फिल्म-3
26. मंगेशकर बहनों में सबसे छोटी बहन का नाम क्या है?-2
28. अमिताभ, अमृता सिंह, मीनाक्षी की फिल्म-3
31. 'मखमली ये बदन' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2002

निखारें चेहरा संवारें अपना भविष्य

पार्टियों में जाने के लिए किए जाने वाले मेकअप से लेकर कलाकारों के मेकअप तक इसकी उपयोगिता से सभी परिचित हैं, लिहाजा यह मेकअप करना शौक भी हो सकता है और एक कामयाब करियर भी। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि कुछ वर्ष पहले तक करियर के रूप में इसे अच्छी निगाह से नहीं देखा जाता था, लेकिन अब बाजार के बड़े-बड़े नामों ने इसमें सम्मान जोड़ दिया है। कुछ कामयाब नाम हैं- शहनाज हुसैन, भारती तनेजा, वंदना लूथरा, ब्लॉसम कोचर, सिल्वी इत्यादि। इन्होंने मेकअप आर्टिस्ट के रूप में शुरुआत की और आज बिजनेस ब्रांड के रूप में पूरे देश में जाने जाते हैं। यही वजह है कि अब मेकअप आर्टिस्ट के तौर पर करियर बनाने के इच्छुक युवा ट्रेनिंग लेने लगे हैं, ब्यूटी चेन में अच्छी जॉब उन्हें मिलने लगी है और कम पूंजी में खुद का व्यवसाय शुरू करने लगे हैं। आज मेकअप आर्टिस्ट सिर्फ फैशन मॉडल्स अथवा फिल्मी सितारों की ही जरूरत नहीं है। दूसरी जगहों पर भी इसकी खास डिमांड है।

खासकर शादी के सीजन में इन लोगों की डिमांड बढ़ जाती है। अब तो इसमें भी स्पेशलाइजेशन हो गया है, जैसे कोई सिर्फ दूल्हे का मेकअप करता है तो कोई दुल्हन का। यहां आपको यह बता दें कि हर माध्यम के लिए अलग-अलग मेकअप होता है। टीवी/फिल्मी कलाकारों का मेकअप अलग होता है तो थिएटर में काम करने वालों का अलग। स्टेज आर्टिस्ट का मेकअप टीवी आर्टिस्ट की तुलना में चटक होगा। किसी कैरेक्टर को उसकी उम्र से अलग दिखाना है तो उसका मेकअप अलग होगा, वहीं जले या दाग दिखाने के लिए मेकअप अलग होगा। शहर और वहां की जलवायु के मुताबिक भी मेकअप किया जाता है। जैसे मुंबई में हवा में नमी रहती है, इसलिए पसीने को ध्यान में रख कर ऐसा मेकअप करना पड़ता है कि वह खराब न हो। वहीं राजस्थान में मेकअप के लिए अलग चीजों का इस्तेमाल करना पड़ता है। यह तभी संभव है, जब मेकअप आर्टिस्ट को इसका ठीक-ठीक ज्ञान हो कि स्थान, उम्र और जरूरत के लिहाज से कैसा मेकअप होना चाहिए।

मेकअप आर्टिस्ट किसी जवान इंसान को बूढ़ा बना देता है तो बूढ़े इंसान को जवान। यही नहीं, मेकअप में वो ताकत है, जो चरित्र के हिसाब से कलाकार का पूरा व्यक्तित्व बदल दे। सुंदर दिखने-दिखाने की चाहत व्यक्तिगत रुचि से लेकर व्यावसायिक कौशल तक फैली हुई है। यही कारण है कि मेकअप करना एक खास किस्म का हुनर है।

गुण क्या हो?

इस प्रोफेशन में भी करियर बनाने के लिए कुछ विशेष गुणों की दरकार है। सबसे पहले उसमें विजुअलाइजेशन की क्षमता होनी चाहिए कि कौन सा स्टाइल या गेटअप किस पर फबेगा। उसे ऐसा रूप देना कि खुद को देख कर उसमें आत्मविश्वास भर जाए। कभी-कभी कई घंटों तक काम करना होता है, खासकर टीवी और फिल्म की शूटिंग के दौरान। शारीरिक और मानसिक रूप से उसका फिट होना बहुत जरूरी है, तभी वह अपने काम को सही-सही अंजाम दे पाएगा। आप में रंग और उसके असर की बारीक समझ होनी चाहिए। मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए आपका व्यवहार दोस्ताना होना चाहिए, तभी जिसका आप मेकअप करने जा रहे हैं, उसे बिना उबाए या थकाए उसका मनपसंद गेटअप आप उसे दे पाएंगे। इसके अलावा खुद भी आकर्षक दिखना जरूरी है। फैशन इंडस्ट्री में स्टाइल और ट्रैंड रोज बदलते हैं, इसलिए नई-नई तकनीक, हेयरस्टाइल्स और कॉस्मेटिक प्रॉडक्ट के बारे में उसे अपडेट रहना होगा।

योग्यता क्या हो?

मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं है और न ही किसी प्रकार की योग्यता की। इससे भी कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपने स्कूल या कॉलेज में कौन सा विषय लिया था। बस आप में इस काम के प्रति लगाव होना चाहिए। अगर ऐसा है तो आपके लिए करियर की राहें आसान हैं। अगर 10वीं या 12वीं पास हैं तो और भी बेहतर।

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए आप ब्यूटीकेयर के अंतर्गत अन्य विषयों जैसे ब्यूटीशियन, मैनिक्यूरिस्ट, पैडिक्यूरिस्ट, इलेक्ट्रोलॉजिस्ट व अरोमा थेरेपी विषयों में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। इसके अलावा आप किसी संस्थान से भी प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। संस्थानों द्वारा संचालित कोर्सेज के पाठ्यक्रम में एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, डाइट, सेल्समैनशिप व सैलून आर्गेनाइजेशन से संबंधित थ्योरी पढ़ाई जाती है। वहीं प्रैक्टिकल वर्क के रूप में फेशियल, डिफरेंट टाइप ऑफ मसाज, मेकअप व इलेक्ट्रिक ट्रीटमेंट सिखाया जाता है।

नौकरी के अवसर

वर्तमान में फिल्म व टेलीविजन इंडस्ट्री में मेकअप व हेयर ड्रेसिंग एक्सपर्ट की मांग बढ़ती जा रही है। इन एक्सपर्ट्स को फिल्म इंडस्ट्री में आर्टिस्ट के नाम से जाना जाता है। बतौर फ्रीलांस भी इसमें हैं ढेरों काम। फैशन आर्गेनाइजर, ब्यूटी पार्लरों, सिलेब्रिटीज के लिए बड़े पैमाने पर काम है।

वेतन

इस क्षेत्र में आने वाले को बहुत ज्यादा संघर्ष नहीं करना पड़ता। प्रशिक्षण और इंटर्नशिप के दौरान ही आपकी कमाई होने लगती है। शुरुआती सैलरी 8 से 10 हजार मिलती है, लेकिन 5 साल के भीतर आप हर महीने 30 हजार रुपये तक कमा सकते हैं। एक बार आपका नाम हो गया तो आकाश ही सीमा है। कुछ कलाकार साल में 5 लाख रुपये या इससे अधिक भी कमा लेते हैं। वहीं दूसरी तरफ विज्ञापन एजेंसी द्वारा शुरू की गई कैंपेन में एक दिन में ही आपकी कमाई 1500 से 3000 रुपये तक हो सकती है।

कहां-कहां हैं मौके?

फिल्म/ टीवी/ वीडियो/ रंगमंच/ फैशन/ विज्ञापन एजेंसियों में तो बेशुमार जॉब हैं ही, तेजी से खुल रहे न्यूज चैनलों में भी मेकअप आर्टिस्ट की डिमांड है। वर्तमान में फिल्म व टेलीविजन इंडस्ट्री में मेकअप व हेयर ड्रेसिंग एक्सपर्ट की मांग बढ़ती जा रही है। इन एक्सपर्ट्स को फिल्म इंडस्ट्री में आर्टिस्ट के नाम से जाना जाता है। फिल्म इंडस्ट्री में करियर बनाने के लिए आपको यह जानकारी होनी चाहिए कि स्टूडियो की चकाचौंध लाइट में एक्टर का मेकअप कैसे किया जाता है। बतौर फ्रीलांस भी इसमें हैं ढेरों काम। फैशन आर्गेनाइजर, ब्यूटी पार्लरों, सिलेब्रिटीज के लिए बड़े पैमाने पर काम है।

यूपीएससी हर साल सिविल सेवा में परीक्षा का आयोजन करता है। इनमें आईएएस, आईपीएस, आईएफएस और आईआरएस पदों के लिए सबसे ज्यादा दावेदार होते हैं। इस परीक्षा को क्रैक कर आईएएस की तरह आईएफएस अफसर बनना भी बहुत बड़ी बात होती है। क्योंकि एक आईएएस जहां देश के अंदर कार्य करता है, वहीं एक आईएफएस ऑफिसर दूसरे देशों में देश का प्रतिनिधित्व करता है। इस आर्टिकल के माध्यम से आज हम जानेंगे कि आईएफएस ऑफिसर बनने के लिए क्या एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया चाहिए और इनका क्या काम होता है।

कौन और कैसे बन सकते हैं आईएफएस ऑफिसर

आईएफएस स्तर का अधिकारी देश का प्रतिनिधित्व अनेकों अंतर्राष्ट्रीय मंचो पर करता है। इनका दायरा एक आईएएस ऑफिसर से बड़ा होता है। क्योंकि जहां एक आईएएस जिले व देश तक सीमित होते हैं, वहीं एक आईएफएस देश स्तर पर अधिकारिक रूप में विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओ और देशों के साथ काम करते हैं। इनके काम का असर सीधा देश पर पड़ता है। आईएफएस के लिए भी उम्मीदवारों का चयन सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से होता है, लेकिन आईएफएस की मुख्य परीक्षा का सिलेबस अन्य परीक्षाओं से अलग होता है। आईएफएस में आपको अंग्रेजी का ज्ञान होना बहुत जरूरी है क्योंकि एक आईएफएस ऑफिसर विभिन्न देशो के राजदूत, अधिकारी व नेताओं से बात करनी होती है तो इसके लिए अंग्रेजी भाषा का ज्ञान और बोलचाल में जरूरत होती है।

एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया

राष्ट्रीयता

आईएफएस ऑफिसर बनने के लिए उम्मीदवार की राष्ट्रीयता निम्नलिखित होनी चाहिए

- भारत के नागरिक हो
- नेपाल/भूटान की नागरिक हो
- वे तिब्बती शरणार्थी जो 1 जनवरी, 1962 से पहले स्थायी रूप से बसने के लिए यहाँ आए, या
- भारतीय मूल के वे लोग जिन्होंने भारत में स्थायी रूप से बसने के लिए युगांडा, बर्मा, पाकिस्तान, जाम्बिया, संयुक्त गणराज्य तंजानिया, मलावी, श्रीलंका, पूर्वी अफ्रीकी देशों केन्या, जायरे, इथियोपिया और वियतनाम से प्रवास किया।

शैक्षणिक योग्यता

- उम्मीदवार के पास किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री होनी चाहिए या समकक्ष योग्यता होनी चाहिए।

आयु सीमा

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आधिकारिक अधिसूचना में यूपीएससी आयु सीमा 2022 की जानकारी जारी की गई है। आयु सीमा पात्रता मानदंड के अनुसार, 1 अगस्त 2022 को 21 से 32 वर्ष के बीच की आयु के लोग यूपीएससी एग्जाम में आवेदन पत्र भर सकते हैं। आरक्षित वर्ग के आवेदक यूपीएससी द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार आयु में छूट के पात्र होते हैं।

- एससी/एसटी उम्मीदवारों के लिए- 5 साल
- ओबीसी उम्मीदवारों के लिए- 3 साल।
- जम्मू और कश्मीर राज्य के उम्मीदवार के लिए- 5 वर्ष
- रक्षा सेवा कर्मियों के लिए- 5 वर्ष
- पूर्व सैनिक जिनमें कमीशन अधिकारी और ईसीओ/एसएससीओ शामिल हैं, जिन्होंने कम से कम 5 साल की सैन्य सेवा प्रदान की है और उन्हें रिहा कर दिया गया- 5 वर्ष
- नेत्रहीन, मूक-बधिर और विकलांग व्यक्तियों के लिए- 10 वर्ष

उम्मीदवार कितनी बार दे सकते हैं ये एग्जाम

- सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार- 6 प्रयास
- एससी / एसटी के उम्मीदवार- कोई प्रतिबंध नहीं
- अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवार- 9 प्रयास
- सामान्य व ओबीसी दिव्यांग- 9 प्रयास

मेडिकल स्टैंडर्ड

इस परीक्षा के लिए उपस्थित होने वाले आवेदकों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। यूपीएससी सीएसई पर्सनालिटी टेस्ट के बाद चुने गए उम्मीदवार यूपीएससी द्वारा अधिसूचित चिकित्सा केंद्र में मेडिकल टेस्ट से गुजरते हैं। किसी भी सेवा में चयनित होने के लिए उम्मीदवारों को सभी मेडिकल टेस्ट पास करना होता है।

आईएफएस के कार्य

एक आईएफएस का काम उसके उसकी प्रोफाइल पर निर्भर करता है। विदेश में रह रहे भारतीयों की मदद वहां का भारतीय दूतावास करता है, जोकि एक आईएफएस का कार्य होता है। यही ऑफिसर राजदूत और राजनयिक के रूप में भी कार्य करते हैं। इनका मुख्य कार्य दोनों देशो के बीच अच्छे संबंध स्थापित करना और अन्य किसी प्रकार के वाद-विवाद को भी बातचीत के जरिए हल करना है। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं जैसे यूनाइटेड नेशन व अन्य प्लेटफार्म आईएफएस अधिकारी ही विदेशी मामलों में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके साथ ही भारत की सुरक्षा व विदेशी नीति मामलों में भी इन्ही आईएफएस की मदद ली जाती है और ये अपने अनुभव से देश की विदेश सुरक्षा पॉलिसी में अपने विचार व ज्ञान का उपयोग करते हैं।

ऑडियो इंजीनियरिंग

नई पीढ़ी का उभरता हुआ करियर

ऑडियो इंजीनियरिंग भारत एवं विदेश दोनों जगह फिल्म, वीडियो प्रोडक्शन, साउंड ब्रॉडकास्टिंग एवं एडवर्टाइजिंग में संभावनाएं तलाशता है। इस फील्ड के लिए खुद से कमिटमेंट एवं इंटरेस्ट होना आवश्यक है।

एक समय ऐसा था, जब आवाज को उसके मूल रूप में ही रिकॉर्ड किया जाता था, परन्तु आज उसमें काफी हद तक बदलाव लाया जा सकता है। यह सब संभव हो पाया है 'ऑडियो इंजीनियरिंग' से। वैसे तो आवाज या म्यूजिक का इतिहास काफी पुराना है, लेकिन 20वीं शताब्दी तक आते-आते उसमें कई चीजें जुड़ गई। ऑडियो इंजीनियरिंग, ऑडियो साइंस की ही एक शाखा है। इसमें साउंड कैप्चर करने, रिकॉर्डिंग करने, कॉपी करने, एडिटिंग एवं मिक्सिंग करने, इलेक्ट्रॉनिक एवं मैकेनिकल उपकरणों द्वारा आवाज में उतार-चढ़ाव लाने संबंधी कार्य किए जाते हैं। यह पूरा कार्य पोस्ट प्रोडक्शन के अंतर्गत आता है। इसमें एक इलेक्ट्रॉनिक मिक्सिंग बोर्ड लगा होता है, जिससे रिकॉर्डिंग एवं एडिटिंग प्रक्रिया में साउंड इनपुट जैसे स्विच, डायल, लाइट्स एवं मीटर को नियंत्रित किया जाता है। यह कार्य ऑडियो इंजीनियर के जरिए संपन्न किया जाता है। कई बार इन्हें रिकॉर्डिंग इंजीनियर या साउंड इंजीनियर के नाम से भी जाना जाता है। ऑडियो इंजीनियरिंग नई पीढ़ी के लिए एक उभरता हुआ करियर है, जो भारत एवं विदेश दोनों जगह फिल्म, वीडियो प्रोडक्शन, साउंड ब्रॉडकास्टिंग एवं एडवर्टाइजिंग में संभावनाएं तलाशता है। इस फील्ड के लिए खुद से कमिटमेंट एवं इंटरेस्ट होना आवश्यक है।

क्वालिफिकेशन

एक सफल ऑडियो इंजीनियर बनने के लिए ऑडियोग्राफी, साउंड रिकॉर्डिंग एवं ऑडियो इंजीनियरिंग में डिप्लोमा अथवा डिग्री कोर्स का होना आवश्यक है। वैसे तो इस फील्ड में किसी विशेष शैक्षिक योग्यता की दरकार नहीं होती, परन्तु ऑडियो इंजीनियरिंग में बैचलर अथवा पीजी डिग्री को वरीयता दी जाती है। जहां तक डिमांड की बात है तो ऑडियो इंजीनियर बनने के लिए फिजिक्स अथवा मैथ्स की आधारभूत जानकारी सहायक साबित होती है, जिसके दम पर वे रिकॉर्डिंग रूम में कई तरह की प्रतिध्वनि का आकलन कर सकते हैं। इसमें अधिक प्रैक्टिकल ज्ञान के आधार पर एक अच्छा ऑडियो इंजीनियर बना जा सकता है। जिन छात्रों के पास इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एवं फाइन आर्ट की पृष्ठभूमि रही है, वे भी इस कोर्स के लिए उपयुक्त साबित हो सकते हैं। साथ ही उन्हें रिकॉर्डिंग उपकरणों जैसे मिक्सिंग कंसोल्ड एवं माइक्रोफोन की जानकारी भी होनी चाहिए। इस कार्य में उन्हें डिजिटल ऑडियो स्टेशन, स्पीकर, एंप्लीफायर सहित कई अन्य म्यूजिक उपकरणों का प्रयोग करना पड़ता है।

कोर्स डिटेल्स

ऑडियो इंजीनियरिंग में साउंड रिकॉर्डिंग, एडिटिंग एवं मिक्सिंग के तकनीकी एवं रचनात्मक पहलुओं का बारीकी से अध्ययन किया जाता है। इसमें अधिकतर कोर्स की शुरुआत ही साउंड एवं रिकार्डिंग, पोस्ट प्रोडक्शन एवं ब्रॉडकास्टिंग की आधारभूत थ्योरी एवं फ्रिक्वेंसी से की जाती है। इसके तकनीकी पहलुओं के अंतर्गत ही साउंड मिक्सिंग में स्पेशल इफेक्ट्स डाला जाता है। कोर्स के बाद छात्र रिकॉर्डिंग टूल्स, माइक्रोफोन के प्रयोग के बारे में अच्छी तरह से वाकिफ हो जाते हैं। इसके अलावा ऑडियो राइटिंग, इलेक्ट्रॉनिक म्यूजिक, साउंड रिकॉर्डिंग, म्यूजिक बिजनेस, मल्टीट्रैक प्रोडक्शन आदि कई ऐसे एरिया हैं, जिन्हें ऑडियो इंजीनियरिंग के तहत शामिल किया जाता है।

पर्सनल स्किल्स

एक ऑडियो इंजीनियर को टेक्निकल नॉलेज, इलेक्ट्रिकल एप्टीट्यूड, इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल सिस्टम एवं इक्विपमेंट की जानकारी होनी आवश्यक है। म्यूजिक प्रोडक्शन में टीम वर्क, अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स आपके काम को गति दे सकते हैं। एकाग्रता, धैर्य, अच्छी समझ, अच्छी लय की जरूरत, अच्छी रिद्म जैसे गुण ऑडियो इंजीनियर के लिए आवश्यक हैं। साथ ही उसे रिकॉर्डिंग माध्यमों जैसे एनालॉग टेप, डिजिटल मल्टीट्रैक रिकॉर्डर एवं कम्प्यूटर नॉलेज की जानकारी भी सहायता दिला सकती है।

नौकरी के अवसर

इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए ऑडियो इंजीनियरिंग में डिप्लोमा या डिग्री पहली सीढ़ी होती है। सफलतापूर्वक कोर्स करने के बाद मूवी, टेलीविजन, एडवर्टाइजिंग, मल्टीमीडिया संस्थान, ब्रॉडकास्टिंग, सीडी प्रोडक्शन आदि में जॉब पा सकते हैं। लेकिन एक ऑडियो इंजीनियर को जो फील्ड सबसे ज्यादा आकर्षित करती है, वह म्यूजिक इंडस्ट्री है। इसमें प्रारंभ में रिकॉर्डिंग इंजीनियर के सहायक के रूप में करियर आरंभ कर सकते हैं। अपने अनुभव के आधार पर जल्द ही वे ऑडियो इंजीनियर के पद पर पहुंच सकते हैं। इसके अतिरिक्त माइक्रोफोन, रिकॉर्डर, मिक्सर एवं सॉफ्टवेयर, म्यूजिक एवं स्पीच में कई तरह के काम सामने आते हैं। साउंड, म्यूजिक, डायलॉग, स्पेशल इफेक्ट्स, म्यूजिक प्रोड्यूसर को भी स्पेशलाइजेशन के रूप में अपनाया जा सकता है। म्यूजिक प्रोड्यूसर बनने के बाद खुद का रिकॉर्डिंग स्टूडियो भी शुरू किया जा सकता है। स्टूडियो स्थापित करने के अलावा ऑडियो इंजीनियर फ्रीलांस के रूप में भी काम कर सकते हैं। ऑडियो इंजीनियरिंग का क्षेत्र काफी प्रतियोगी है। इसमें वही लोग सफल हो सकते हैं, जिनमें टैलेंट एवं विशेष गुण है।

सेलरी स्ट्रक्चर

बतौर ऑडियो इंजीनियर इनकी सेलरी 10,000 रुपए प्रतिमाह से शुरू होती है तथा मान्यता मिल जाने के बाद इनकी सेलरी में तेजी से इजाफा होता है। तीन से चार साल के अनुभव के बाद इनकी सेलरी 30-35 हजार रुपए तक पहुंच जाती है। विदेशों में जॉब के अवसर मिलने के बाद सेलरी की कोई निश्चित सीमा नहीं होती।

सीसीआई मामले में गूगल ने दायर की रिट याचिका

नई दिल्ली: प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी गूगल ने कर्नाटक उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दाखिल कर प्ले स्टोर के नियमों की जांच के सिलसिले में भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के सवालों का जवाब देने के लिए और वक्त मांगा है। गूगल ने कहा कि वह सीसीआई की जांच प्रक्रिया का सम्मान करती है और निष्पक्ष जांच के हित में सहयोग देती रहेगी। गूगल के प्रवक्ता ने सोमवार को एक ईमेल में कहा, ''हमने गूगल प्ले को लेकर सीसीआई की जांच के मामले में अंतरिम राहत आवेदन के संबंध में कर्नाटक उच्च न्यायालय में अपील दायर की है।'' मामले में कंपनी के रुख से अवगत एक सूत्र ने कहा कि गूगल ने प्ले स्टोर की बिलिंग प्रणाली से एकीकरण के लिए भारत में डेवलपर के लिए समयसीमा 31 अक्टूबर, 2022 तक बढ़ा दी है। गूगल ने इसके साथ ही सीसीआई से शिकायतकर्ताओं की पहचान के लिए कुछ 'प्रक्रियागत' आग्रह भी किए हैं। इसके अलावा उसने जांच समिति में एक न्यायिक सदस्य को भी शामिल करने की मांग की है।

भारती एयरटेल और टीसीएस ने 5जी आधारित रिमोट वर्किंग तकनीक के लिए की साझेदारी

नई दिल्ली । निजी क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल और प्रमुख सूचना प्रद्योगिकी (आईटी) कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने रोबोटिक्स का इस्तेमाल करके 5जी आधारित रिमोट वर्किंग तकनीक बनाने के लिए साझेदारी की है। दोनों कंपनियां फिलहाल हरियाणा के मानेसर में एयरटेल की 5जी लैब में परीक्षण कर रही हैं। एक सूत्र ने बताया, 'भारतीय कंपनियां 5जी के लिए देश में विकसित तकनीक को अपनाने पर विचार कर रही हैं। एयरटेल और टीसीएस ने 5जी का इस्तेमाल करके रिमोट रोबोटिक संचालन के लिए हाथ मिलाया है। उन्होंने एयरटेल की 5जी लैब में सफलतापूर्वक परीक्षण किया है।' सूत्र ने कहा कि ये समाधान खनन, तेल और गैस क्षेत्रों जैसे जोखिम की आशंका वाले वातावरण में रिमोट रोबोटिक संचालन को सक्षम करेंगे। एक बार 5जी का वाणिज्यिक परिचालन शुरू होने के बाद दोनों कंपनियों की दिलचस्पी इन समाधानों को औद्योगिक खंड में लाने की है। इस बारे में संपर्क करने पर टीसीएस ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, और भारती एयरटेल को भेजे गए एक ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला। एयरटेल और टीसीएस ने जून में भारत में 5जी नेटवर्क समाधान लागू करने के लिए एक रणनीतिक साझेदारी का ऐलान किया था। टाटा समूह ने ओ-आरएएन (ओपन रेडियो एक्सेस नेटवर्क) आधारित रेडियो और कोर एलिमेंट विकसित किया है, जबकि एयरटेल भारत में 5जी को लागू करने के अंतर्गत इस स्वदेशी समाधान का इस्तेमाल करेगी।

सोने में तेजी, चांदी में गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में सोने-चांदी की कीमतें बढ़ी हैं। इस बढ़ोतरी के साथ सोने के दाम 48,000 रुपये के ऊपर पहुंच गये हैं। वहीं मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के भाव में 0.11 फीसदी की तेजी आई है। दूसरी ओर चांदी की कीमतों में 0.50 फीसदी की गिरावट आई है। सोने की कीमत 0.15 फीसदी की तेजी के साथ ही 48,138 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है। वहीं कारोबार के दौरान चांदी के दाम में 0.23 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है और एक किलो चांदी की कीमतें 62,444 रुपये पर हैं।

5जी इंटरनेट सर्विस का इंतजार खत्म, 2022 में 13 शहरों से होगी शुरुआत

नई दिल्ली ।

तकनीक विकास को लेकर भारत तेजी से अग्रसर है अब में 5जी इंटरनेट सेवा की प्रतीक्षा अगले साल यानी 2022 में खत्म होने वाली है। इसे सबसे पहले भारत के 13 शहरों में लॉन्च किया जाएगा। इसके बाद धीरे-धीरे बाकी के शहरों में भी 5जी इंटरनेट सर्विस को जारी किया जाएगा। इसके बारे में दूर संचार विभाग (डीओटी) की ओर से बताया गया है। डीओटी की विज्ञप्ति के अनुसार 5जी सर्विस की शुरुआत भारत के 13 शहरों से होगी। इन शहरों में टेलीकॉम ऑपरेटर्स ने पहले ही 5जी ट्रायल सेटअप कर लिया है। इन शहरों में अहमदाबाद, बेंगलुरु, चंडीगढ़, चेन्नई, दिल्ली, गांधीनगर, गुरुग्राम, हैदराबाद, जामनगर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई और पुणे शामिल हैं। हालांकि अभी ये कन्फर्म नहीं है कि पहले कौन सा टेलीकॉम ऑपरेटर कर्मशियली 5जी सर्विस को रोलआउट करेगा। तीनों लीडिंग टेलीकॉम ऑपरेटर्स जियो, एयरटेल एंड वोडाफोन पहले से ही इन शहरों में ट्रायल साइट सेट कर चुके हैं और 5जी ट्रायल कर रहे हैं। 5जी सर्विस रोलआउट से पहले स्पेक्ट्रम ऑक्शन होगा। हालांकि, इसको लेकर अभी डिपार्टमेंट ऑफ टेलिकम्युनिकेशन ने डेट नहीं बताई है। इसको लेकर डीओटी ने इस साल सितंबर में टेलीकॉम सेक्टर रेगुलेटर टीआरएआई ने रिजर्व प्राइस, बैंड प्लान, ब्लॉक साइज और क्वांटम ऑफ स्पेक्ट्रम जैसे आस्पेक्ट्स पर रिकमेंडेशन मांगी थी।

आपको बता दें कि टेलीकॉम ऑपरेटर विभिन्न शहरों में 5जी का ट्रायल कर रहे हैं। इसमें काफी ज्यादा स्पीड देखने को मिल रही है। 5जी के आने से गेमिंग इंडस्ट्री और एआई इंडस्ट्री में बदलाव की बात कही जा रही है।

ITC ने तमिलनाडु में पहला ऑफसाइट सौर संयंत्र शुरू किया

नई दिल्ली:

आईटीसी ने मंगलवार को कहा कि उसने 76 करोड़ रुपए के निवेश से तमिलनाडु के डिंडीगुल में अपना पहला ऑफसाइट सौर संयंत्र चालू किया है। ऑफसाइट संयंत्र ऐसी सहायक इकाई को कहते हैं, तो प्राथमिक या उपयोगिता ब्लॉक का प्रत्यक्ष हिस्सा नहीं है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि 14.9 मेगावाट का सौर संयंत्र कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम करने में मदद करेगा और इसके साथ ही आईटीसी तमिलनाडु में अपने परिचालन संबंधी 90 प्रतिशत ऊर्जा जरूरतों को नवीकरणीय स्रोतों से हासिल कर रही है। कंपनी ने कहा कि आईटीसी के चेयरमैन संजीव पुरी के नेतृत्व में 'संवहनीय 2.0' परियोजना के तहत 2030 तक संपूर्ण ग्रिड बिजली जरूरत को नवीकरणीय स्रोतों से हासिल करेगी।

सिप्ला को कोविड-19 के इलाज के लिए डीसीजीआई से मोलनुपिराविर के विपणन की मंजूरी मिली

नयी दिल्ली,

प्रमुख दवा निर्माता सिप्ला को भारतीय दवा महानियंत्रक (डीसीजीआई) से देश में कोविड-19 के इलाज में उपयोगी एंटीवायरल दवा मॉलनुपिरेविर के आपातकालीन उपयोग की अनुमति मिली है। उसकी योजना इस दवा को सिप्मोलनु ब्रांड नाम के तहत पेश करने की है। सिप्ला के प्रबंध निदेशक एवं वैश्विक मुख्य कार्यकारी अधिकारी उमंग वोहरा ने एक बयान में कहा कि कोविड के इलाज के लिए जरूरी उपचारों को उपलब्ध कराने के तहत यह एक नई पेशकश की गई है। इस दवा को भारत के अलावा निम्न एवं मध्यम आय वाले 100 से अधिक देशों में भी मुहैया कराने की योजना है। इससे पहले दिन में सरकार ने कोविड-19 के इलाज में मॉलनुपिरेविर (गोली) के आपात स्थिति में नियंत्रित उपयोग की अनुमति दी थी। इसे वयस्क मरीजों और बीमारी से ज्यादा खतरे वाले लोगों को दिया जाएगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने ट्वीट किया, ''कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई को और मजबूत करते हुए, केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने एक दिन में तीन स्वीकृति दी हैं। कोवोवैक्स एवं कोर्बेवैक्स टीके और 'मॉलनुपिरेविर' दवा को कुछ शर्तों के साथ आपात उपयोग की अनुमति दी गई है।'' दवा कंपनी सन फार्मा को भी मॉलनुपिरेविर के विपणन के लिए डीसीजीआई की मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि उसकी सहायक कंपनी को डीसीजीआई से विनिर्माण और विपणन के लिए ईयूए मिला है। ऑप्टिमस फार्मा ने भी एक या दो दिन में भारतीय बाजार में मोलनुपिराविर पेश करने की घोषणा की है।

अर्थव्यवस्था मजबूत रहने की उम्मीद में शेयर बाजार ने भरी उड़ान

मुंबई:

कोरोना के नए स्वरूप ओमीक्रॉन के बढ़ते खतरे के बीच चालू वित्त वर्ष में देश की आर्थिक विकास दर में तेजी रहने की उम्मीद से उत्साहित निवेशकों की चौतरफा लिवाली की बदौलत आज शेयर बाजार ने उड़ान भरी। वैश्विक बाजार की तेजी से भी निवेशकों की निवेश धारणा मजबूत हुई, जिससे बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 477.24 अंक की छलांग लगाकर 57,897.48 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 147 अंक उछलकर 17,233.25 अंक पर पहुंच गया। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.04, जर्मनी का डैक्स 0.19, जापान का निक्केई 0.16 और हांगकांग का हैंगसैंग 0.57 प्रतिशत चढ़ गया जबकि चीन का शंघई कंपोजिट 0.07 प्रतिशत उतर गया। बीएसई में दिग्गज कंपनियों की तरह छोटी और मझौली कंपनियों में भी लिवाली का जोर रहा। इस दौरान मिडकैप 231.90 अंक चढ़कर 24,653.89 अंक और स्मॉलकैप 407.97 अंक की तेजी लेकर 28,922.89 अंक पर रहा। बीएसई में कुल 3478 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2613 में लिवाली जबकि 771 में बिकवाली हुई वहीं 94 में कोई बदलाव नहीं हुआ। एनएसई में 48 कंपनियों में तेजी जबकि दो में गिरावट दर्ज की गई। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने ओमीक्रॉन के कारण अनिश्चितताओं के बीच वित्त वर्ष 2021-2022 और 2022-2023 में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर नौ-नौ प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। इससे बीएसई के सभी 19 समूहों में लिवाली हुई। इस दौरान बेसिक मैटेरियल्स 1.50, सीडीजीएस 1.36, ऊर्जा 1.13, इंडस्ट्रियल्स 1.48, आईटी 1.00, दूरसंचार 0.99, यूटिलिटीज 1.06, ऑटो 1.26, कैपिटल गुड्स 1.56 और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स समूह में 1.24 प्रतिशत की तेजी रही। इनके अलावा अन्य समूह भी मजबूत रहे।

भारत में सेमीकंडक्टर यूनिट लगाने की तैयारी में Intel, आईटी मंत्री ने ट्वीट कर किया welcome

बिजनेस डेस्क:

फैबलेस चिप बनाने वाली कंपनी **Intel** भारत में सेमीकंडक्टर बनाने के लिए एक यूनिट लगाने की तैयारी में है। अमेरिका स्थित इस चिप बनाने वाली कंपनी का ऐलान उस समय हुआ है जब हाल ही में यूनियन कैबिनेट ने देश में सेमीकंडक्टर के उत्पादन और इससे संबंधित रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए बड़े ऐलान किए हैं। गौरतलब है कि भारत सरकार आत्मनिर्भर योजना के तहत देश में तमाम तरह की मैन्यूफैक्चरिंग को बढ़ावा देने पर फोकस कर रही है। जिसमें सेमीकंडक्टर भी शामिल है। आईटी और इलेक्ट्रोनिक्स मिनिस्टर अश्वनी वैष्णव ने ट्वीटर पर इंटेल का स्वागत करते हुए लिखा है **"Intel - welcome to India"** हाल ही में यूनियन कैबिनेट ने भारत में सेमीकंडक्टर और डिस्पले मैन्यूफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए 76,000 करोड़ रुपए की एक योजना को मंजूरी दी है। सरकार देश को हाईटेक प्रोडक्शन के हब के तौर पर विकसित करना चाहती है। कैबिनेट के इस फैसले के बारे में बताते हुए अश्वनी वैष्णव ने कहा था कि हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्ट्स की अहम भूमिका हो गई है। वहीं इलेक्ट्रोनिक प्रोडक्ट्स में सेमीकंडक्टर चिप की अहम भूमिका होती है। देश को हाईटेक प्रोडक्ट का ग्लोबल हब बनाने के लिए सेमीकंडक्टर चिप बनाने में हमें महारत हासिल करनी होगी जिसको ध्यान में रखते हुए सरकार ने 76,000 करोड़ रुपए की यह योजना शुरु की है। इस स्कीम के तहत इंडस्ट्रीज की तरफ से 1.7 लाख करोड़ रुपए का निवेश मिलने और 1.35 लाख रोजगार के अवसरों के सृजन की उम्मीद है। इसके साथ ही यह भी उम्मीद है कि इस स्कीम के तहत मीडिया टेक, इंटेल क्वालकॉम, टेक्सस इस्ट्रूमेंट जैसी कंपनियां भारत में अपनी ईकाईयां लगाने के लिए प्रोत्साहित हो सकती हैं। सरकार उस समय यह स्कीम लेकर आने की तैयारी में है जब पूरी दुनिया सेमी कंडक्टर की सप्लाई की कमी की समस्या से जूझ रही है । सूत्रों के मुताबिक

सरकार सेमी कंडक्टर प्रदर्शन के लिए 2 फैब यूनिट की स्थापना की तैयारी में है। इसके अलावा डिजाइनिंग, मैन्यूफैक्चरिंग के लिए 10 यूनिट लगाई जा सकती है। इस स्कीम के तहत भारत को सेमी कंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग हब बनाने की योजना है। गौरतलब है कि सेमी कंडक्टर सभी तरह के इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों में लगने वाले अहम कलपुर्जों में आता है। पूरी दुनिया में सेमी कंडक्टर की सप्लाई में आई कमी से हाल ही में स्मार्टफोन, लैपटॉप, कार और तमाम तरह के उत्पादों के प्रोडक्शन पर प्रतिकूल असर पड़ा है।

एयर इंडिया की कमान टाटा संस को सौंपने में हो सकती हैं देरी

नई दिल्ली ।

एयर इंडिया की कमान टाटा संस को सौंपने का लक्ष्य दिसंबर में पूरा होना संभव नहीं है, क्योंकि लंबित मंजूरियों और प्रक्रियाओं के कारण इसमें थोड़ी देरी होगी है।अधिकारी ने कहा कि पूर्व निर्धारित शर्तें अभी पूर्ण रूप से पूरी नहीं हुई हैं, उसे बाद लॉन्ग स्टॉप तिथि तय की जाएगी। केंद्र ने दिसंबर अंत तक टाटा के हाथों में एयर इंडिया की कमान सौंपने का लक्ष्य रखा है।लांग स्टॉप तिथि वह समयसीमा होती है, जिसके दौरान क्रेता और विक्रेता दोनों पक्ष सौदे को पूरा करने की सभी शर्तों को पूरा करने पर सहमत होते हैं। यह अवधि सौदे के क्रियान्वयन से लेकर आम तौर पर 45 दिन की होती है और दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति से इसे आगे बढ़ाया जा सकता है। अधिकारी ने कहा कि एयर इंडिया के विनिवेश की प्रगति की समीक्षा के लिए सोमवार को बैठक होगी जिसके बाद एयर इंडिया को टाटा के हाथों में देने और लॉन्ग स्टॉप तिथि के बारे में स्पष्टता आ सकती है। बैठक में निवेश और लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (डीआईपीएएम) और नागर विमानन मंत्रालय के अधिकारी शामिल होंगे। लॉन्ग स्टॉप तिथि पर स्पष्टता के बाद उस तारीख को टाटा के साथ समझौते में वित्तीय विवरण तैयार किया जाएगा।

घरों की कीमतों में बढ़ोतरी के मामले में हैदराबाद दुनिया में 128वें स्थान पर

नई दिल्ली:

घरों की कीमतों में बढ़ोतरी के मामले में हैदराबाद दुनिया में 128वें स्थान पर है। नाइट फ्रैंक इंडिया की सोमवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इस सूची में तुर्की का शहर इजमिर पहले स्थान पर है। वहां मकानों के दाम 34.8 प्रतिशत बढ़े हैं। उसके बाद 33.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ न्यूजीलैंड के वेलिंग्टन का स्थान है।

दुनिया के 150 शहरों में घरों के दामों में वृद्धि का आंकड़ा

नाइट फ्रैंक की रिपोर्ट 'वैश्विक आवासीय शहरों का सूचकांक तीसरी तिमाही-2021% में कहा गया है कि 2021 की तीसरी तिमाही में वैश्विक स्तर पर 150 शहरों में घरों के दाम सालाना आधार पर औसतन 10.6 प्रतिशत बढ़े हैं। यह 2005 की पहली तिमाही के बाद कीमतों में सबसे तेज वृद्धि है। सालाना आधार पर कीमतों में ढाई प्रतिशत की वृद्धि के साथ हैदराबाद 128वें स्थान पर है। चेन्नई 2.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सूची में 131वें, कोलकाता 1.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 135वें और अहमदाबाद 0.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 139वें स्थान पर है। मुंबई सूची में 146वें स्थान पर है। वहां घरों के दाम 1.8 प्रतिशत घटे हैं। वहीं बेंगलुरु में घरों के दाम सालाना आधार पर 0.2 प्रतिशत कम हुए हैं

और वह सूची में 140वें स्थान पर है। दिल्ली में भी घर 0.7 प्रतिशत सस्ते हुए हैं और यह सूची में 142वें स्थान पर है। पुणे में आवासीय संपत्तियों की कीमतों में 1.5 प्रतिशत की गिरावट आई है और वह सूची में 144वें स्थान पर है।

हल्दी एक मसाला, लगेगा 5 फीसदी की दर से जीएसटी

नई दिल्ली ।

भोजन में सबसे अहम रोल अदा करने वाली हल्दी को लेकर जीएसटी अथॉरिटी फॉर एडवांस रूलिंग्स (जीएसटी-एएआर) की महाराष्ट्र बेंच ने नई व्यवस्था दी है और कहा कि हल्दी एक मसाला है जिस पर 5 फीसदी की दर से जीएसटी लगेगा। बेंच के सामने यह सवाल था कि क्या हल्दी एग्रीकल्चर प्रोडक्ट है जिसे जीएसटी में छूट मिलेगी। लेकिन जीएसटी-एएआर ने अपने फैसले में कहा कि किसान हल्दी को पहले उबालते हैं और फिर सुखाने के बाद पॉलिश करके बाजार में बेचते हैं। यह जीएसटी-एएआर की गुजरात बेंच के फैसले के उलट है। जीएसटी-एएआर के कर्नाटक बेंच ने भी हाल में कहा था कि अंडा (कच्चे रूप में) एक एग्रीकल्चर प्रोडक्ट है जिस पर जीएसटी नहीं लगेगा। ताजा मामले में कमीशन एजेंट नितिन बापूसाहेब पाटिल ने आवेदन किया था। वह एग्रीकल्चरल प्रॉड्यूस मार्केट कमेटी (एपीएमसी) के अधिकारी की देखरेख और किसानों तथा ट्रेडर्स की मौजूदगी में नीलामी करता था। अगर नीलामी की कीमत किसानों को मंजूर होती थी तो वह इंटरमीडिएटरी का काम करता था। इसके लिए उसे एपीएमसी नियमों के मुताबिक ट्रेडर्स से 3 फीसदी कमीशन मिलता था। एएआर को दिए आवेदन में पाटिल ने यह भी जानना चाहा था कि उनकी सर्विसेज को जीएसटी में छूट मिलेगी या नहीं। 28 जून, 2017 के नोटिफिकेशन के मुताबिक कोई भी

फसल और पशुपालन (घोड़े को छोड़कर) एग्रीकल्चरल प्रॉड्यूस है। लेकिन इन पर किसी तरह की प्रोसेसिंग नहीं होनी चाहिए जिससे इनके मूल रूप में कोई बदलाव हो। जीएसटी-एएआर ने कहा कि आवेदक यह साबित करने में नाकाम रहा कि किसान अपने खेतों में ही हल्दी पर स्पेशलाइज्ड प्रोसेस करते हैं।

छोटे व्यवसायों के लिए प्रमुख आईएसपी द्वारा पेश किए गया 200 एमबीपीएस प्लान

जब ब्रॉडबैंड सेवाएं प्रदान करने की बात आती है तो एयरटेल बाजार में सबसे प्रमुख कंपनियों में से एक है। एयरटेल द्वारा पेश किया गया एयरटेल एक्सस्ट्रीम फाइबर उपयोगकर्ताओं को एक बेहतर, उन्नत और तेज दैनिक ब्रॉडबैंड कनेक्शन का अनुभव देता है क्योंकि यह फाइबर ऑप्टिक इंटरनेट कनेक्शन प्रदान करता है। एयरटेल सबसे तेज ब्रॉडबैंड कनेक्शनों में से एक है जिससे उपयोगकर्ता च्एंटरटेनमेंटज्‍ पैक प्राप्त कर सकते हैं जो 200 एमबीपीएस इंटरनेट स्पीड प्रदान करता है।

देश में छोटे व्यवसायों या नए स्टार्ट-अप की संख्या लगातार बढ़ रही है। इनमें से अधिकांश व्यवसायों की कार्य प्रक्रिया कीगड़बड़ियों को दूर करने के लिए छोटे कार्य स्थलों की आवश्यकता होती है। इन कार्य स्थलों में एक छोटी टीम के साथ काम करने के अलावा स्थिर और निर्बाध इंटरनेट कनेक्शन की भी आवश्यकता है। यह भी आवश्यक है कि इंटरनेट एक से अधिक उपकरणों में निरंतर एक ही गति से उपलब्ध हो। देश में इंटरनेट सेवा प्रदाता (ISP) बहुत सारी योजनाएँ प्रदान करते हैं जो इस स्थिति के लिए उपयुक्त हैं। भले ही उपयोगकर्ता 1 Gbpsतक की योजना प्राप्त कर सकते हैं जो एक उच्च गति इंटरनेट कनेक्शन प्रदान करता है लेकिन वास्तव में महंगा हो सकता है। लेकिन आईएसपी अलग-अलग स्पीड प्लान भी पेश करते हैं और 200 एमबीपीएस अनलिमिटेड डेटा प्लान इन छोटे कार्यक्षेत्रों के लिए पर्याप्त हो सकते हैं और तुलनात्मक रूप से किफायती भी हैं। भारत में 200 एमबीपीएस प्लान पेश करने वाले कुछ प्रमुख आईएसपी का उल्लेख नीचे किया गया है।

एयरटेल का 200 एमबीपीएस प्लान

जब ब्रॉडबैंड सेवाएं प्रदान करने की बात आती है तो एयरटेल बाजार में सबसे प्रमुख कंपनियों में से एक है। एयरटेल द्वारा पेश किया गया एयरटेल एक्सस्ट्रीम फाइबर उपयोगकर्ताओं को एक बेहतर, उन्नत और तेज दैनिक ब्रॉडबैंड कनेक्शन अनुभव प्रदान करता है क्योंकि यह फाइबर ऑप्टिक इंटरनेट कनेक्शन देता है। एयरटेल सबसे तेज ब्रॉडबैंड कनेक्शनों में से एक है जिससे उपयोगकर्ता च्एंटरटेनमेंटज्‍ पैक प्राप्त कर सकते हैं और जो करों को छोड़कर 999 रुपये की मासिक लागत पर 200 एमबीपीएस इंटरनेट स्पीड प्रदान करता है।

यूजर्स को इस प्लान के साथ 3.3TB या 3300GB मासिक फेयर-यूज-पॉलिसी (FUP) डेटा मिलता है। एयरटेल अपने ब्रॉडबैंड प्लान्स के साथ च्एयरटेल थैंक्स बेनिफिट्सज्‍ भी प्रदान करता है, जिसमें इस मामले में विंकम्यूजिक के साथ अमेजन प्राइमऔर डिजनी+ हॉटस्टारसहित ओटीटीप्लेटफॉर्म्स का सब्सक्रिप्शन शामिल है। यह भी एयरटेलका बेस्टसेलिंग प्लान है।

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक ने अर्द्धशहरी और ग्रामीण इलाकों में बैंकिंग उत्पादों और सेवाओं के लिये एचडीएफसी बैंक के साथ साझेदारी की

नई दिल्ली- इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) और एचडीएफसी बैंक ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये हैं। इस एमओयू के तहत अर्द्धशहरी और ग्रामीण इलाकों में आईपीपीबी के ग्राहकों के लिये बैंकिंग के विभिन्न उत्पादों और सेवाओं की पेशकश की जाएगी। यह भागीदारी बैंकिंग से वंचित और कम सेवा-प्राप्त वर्गों पर केन्द्रित है। आईपीपीबी के 4.7 करोड़ से ज्यादा ग्राहकों में से लगभग 90त्न ग्रामीण इलाकों में रहते हैं, जिन्हें इस भागीदारी से फायदा मिलने की उम्मीद है।

इस रणनीतिक गठबंधन से आईपीपीबी अपने ग्राहकों के लिये अपनी अभिनव डोरस्टेप बैंकिंग सर्विस के माध्यम से जैसे फाइनेंस तक पहुँच सहित किफायती और विविधतापूर्ण पेशकश कर सकेगा। माइक्रोएटीएम और बायोमेट्रिक डिवाइसेस से लैस लगभग 200,000 डाक सेवा प्रदाताओं (पोस्टमैन और ग्रामीण डाक सेवकों) के साथ आईपीपीबी विभिन्न ग्राहक वर्गों की जरूरतें पूरी करता है, लेकिन बैंकिंग के एक सहायता-प्राप्त मॉडल द्वारा अंतिम मील तक डिजिटल को अपनाया जाना आसान बनाने के लिये भी प्रतिबद्ध है। इस भागीदारी के साथ एचडीएफसी बैंक का लक्ष्य भारत में 650 शाखाओं और 136,000 से ज्यादा बैंकिंग एक्सेस पॉइंट्स के आईपीपीबी के मजबूत और व्यापक वितरण तंत्र का इस्तेमाल कर अपने वित्तीय समावेशन को और भी मजबूती देना है।

इस एमओयू के बारे में इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ श्री जे. वेंकटरामू ने कहा, "बैंकिंग को ग्राहकों के दरवाजे पर लाकर आईपीपीबी देशभर में वित्तीय समावेशन के परिदृश्य को लगातार बदलकर नया आकार दे रहा है। हमारा प्रयास है एक संगठित प्लेटफॉर्म बनाना, जो नागरिकों पर केन्द्रित विभिन्न सेवाओं की पेशकश करे। इसमें डोरस्टेप तक क्रेडिट भी शामिल है। इसके लिये हम लेंडिंग पार्टनर्स के साथ मिलकर डिजिटल टेक्नोलॉजीज और डाटा के वैकल्पिक स्रोतों का इस्तेमाल करेंगे। एचडीएफसी बैंक के साथ यह महत्वपूर्ण भागीदारी एक समावेशी, डिजिटल से चलने वाले और सामाजिक बैंकिंग के परितंत्र को बढ़ावा देने की दिशा में उठाया गया एक कदम है।"

गांगुली कोरोना संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली कोरोना संक्रमित हुए हैं। बीसीसीआई के अनुसार गांगुली को जांच में पॉजिटिव पाया गया है। उनकी सोमवार को कोविड-19 के लिए जांच हुई थी जिसमें उन्हें संक्रमित पाया गया है। अब तक की जानकारी के अनसार गांगुली को कोलकाता के वुडलैंड्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गांगुली के पारिवारिक सूत्रों के अनुसार उनकी सेहत ठीक है और चिंता की कोई बात नहीं है। गांगुली को मेडिकल टीम ने होम आइसोलेशन की जगह अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी थी क्योंकि इस साल की शुरुआत में उन्हें दिल का दौरा पड़ा था। जिसके कारण दो बार उनकी एंजियोप्लास्टी भी हुई थी। उनके हृदय में दो कृत्रिम नली (स्टेंट्स) भी लगाए गए हैं। इसको देखते हुए डॉक्टर किसी प्रकार का खतरा मौल नहीं लेना चाहते हैं। गांगुली भारतीय टीम के पूर्व कप्तान भी रहे हैं। क्रिकेट में एक प्रशासक और कोच के तौर पर भी वह सफल रहे हैं। उन्होंने बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष के रूप में भी लंबे समय तक अपनी सेवाएं दी हैं।

कोविड-19 के कारण ग्रुप मैच रद्द, सेमीफाइनल में भारत से होगी बांग्लादेश की भिड़ंत

शारजाह (एजेंसी) ।

बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच मंगलवार को यहां चल रहा अंडर-19 एशिया कप का अंतिम ग्रुप मैच दो अधिकारियों के कोविड-19 से संक्रमित पाए जाने के कारण रद्द कर दिया गया जिसके बाद सेमीफाइनल में भारत की भिड़ंत बांग्लादेश से होगी। सेमीफाइनल गुरुवार को खेला जाएगा। ग्रुप बी के अंतिम मैच में 32.4 ओवर का खेल हो चुका था जब दो अधिकारियों का कोविड-19 नतीजा पॉजिटिव आने के बाद मुकाबले को रद्द कर दिया गया। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने बयान में कहा, 'एशियाई क्रिकेट परिषद और एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड पुष्टि करते हैं कि एसीसी अंडर-19 एशिया कप का आज खेला जाने वाला अंतिम ग्रुप बी मैच रद्द कर दिया गया है।' उन्होंने कहा, 'पुष्टि की जाती है कि दो अधिकारी कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए हैं। अधिकारी अभी सुरक्षित हैं और टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार उनका उपचार हो रहा है।' एसीसी ने कहा, 'इस मैच से जुड़े सभी अधिकारियों का परीक्षण हो रहा है और नतीजा आने तक वे अलग-थलग रहेंगे।' टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरे बांग्लादेश ने मैच रद्द होने के समय 32.4 ओवर में चार विकेट पर 130 रन बना लिए थे। आरिफुल इस्लाम 19 जबकि मोहम्मद फहीम 27 रन बनाकर खेल रहे थे। बांग्लादेश और श्रीलंका पहले ही सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुके थे और इस मुकाबले से ग्रुप के विजेता और उप विजेता का फैसला होना था। बेहतर रन गति के कारण बांग्लादेश ग्रुप में शीर्ष पर रहा और 30 दिसंबर को सेमीफाइनल में उसका सामना भारत से होगा। दूसरे सेमीफाइनल में श्रीलंका की भिड़ंत पाकिस्तान से होगी। भारत इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम है जो 2000, 2008, 2012 और 2018 में चार बार खिताब जीत चुकी है। भारत 2016 में उप विजेता भी रहा था। 2020 में पिछला टूर्नामेंट न्यूजीलैंड में हुआ था।

श्रीलंका के दिग्गज क्रिकेटर जीवन मेंडिस ने लिया संन्यास, ऐसा रहा है करियर

(एजेंसी)।

श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड को झटका लगा है। क्रिकेटर जीवन मेंडिस ने संन्यास ले लिया है। 38 साल के जीवन श्रीलंका के लिए 2012 का टी-20 विश्व कप और 2015 का क्रिकेट विश्व कप भी खेल चुके हैं। श्रीलंका में वह घरेलू क्रिकेट तमिल यूनियन तो इंगलैंड में काऊंटी क्रिकेट डर्बीशायर की ओर से खेलते थे। लैग स्पिनर जीवन का प्रथम श्रेणी क्रिकेट करियर शानदार रहा है। बहरहाल, जीवन मेंडिस ने ट्विटर पर इस खबर की पुष्टि करते हुए लिखा कि यह श्रीलंका क्रिकेट के साथ एक अविश्वसनीय यात्रा थी। मैं 2010 से इसका एक हिस्सा बनने के लिए सम्मानित महसूस कर रहा हूं। इस अद्भुत यात्रा के दौरान मैंने कई मूल्यवान सबक सीखे और खूबसूरत यादें संजोईं। मैं अपने सभी कोचों और टीम के साथियों को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं हमेशा से आभारी रहूंगा। जीवन का फ्रेंचाइजी लीग में अच्छा प्रर्शन रहा। उन्होंने अक्टूबर 2018 में मजांसी सुपर लीग टी20 टूर्नामेंट के पहले संस्करण के लिए त्सवाने स्पार्टन्स की टीम में जगह बनाई थी। वह 9 मैचों में 16 विकेट लेकर

टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। नवंबर 2019 में वह 2019-20 बांग्लादेश प्रीमियर लीग में सिलहट थंडर के लिए खेले।

जीवन मेंडिस का करियर

वनडे : मैच 58, रन 636, औसत 18.70, विकेट 28

टी-20 : मैच 22, रन 208, औसत 18.91, विकेट 12

प्रथम श्रेणी : मैच 161, रन 7769, औसत 35.80, विकेट 352

वनडे : मैच 206, रन 3407, औसत 23.82, विकेट 153

कलाई की चोट के कारण आस्ट्रेलियाई ओपन से हटे डोमीनिक थीम

मेलबर्न (एजेंसी) ।

पिछले साल के उप विजेता डोमीनिक थीम कलाई की गंभीर चोट से उबरने की प्रक्रिया से गुजरने के कारण इस साल आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगे। आस्ट्रिया का यह 28 वर्षीय खिलाड़ी जून में मार्लोका में दूसरे दौर में हार के बाद से प्रतिस्पर्धी टेनिस नहीं खेला है। वह सितंबर में अमेरिकी ओपन में अपने खिताब का बचाव करने भी नहीं उतरे थे। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी और नौ बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच के टूर्नामेंट में हिस्सा लेने को लेकर संदेह की स्थिति बनी हुई है क्योंकि उन्होंने कोविड-19 टीकाकरण की अपनी स्थिति को लेकर चुप्पी साथ रखी है। राफेल नडाल, आंद्रे रूबलेव और डेनिस शापोवालोव हाल के हफ्तों में कोविड पॉजिटिव पाए जाने के बाद उबर रहे हैं।

आईसीसी जनवरी में करेगा 2021 पुरस्कारों की घोषणा

दुबई (एजेंसी)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) 2021 पुरस्कारों की घोषणा जनवरी 2022 में की जाएगी। आईसीसी ने मंगलवार को इसकी घोषणा करते हुए बताया कि इस पूरे वर्ष पुरुष और महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शीर्ष प्रदर्शन के सम्मान के तौर पर पुरस्कार वितरित किए जाएंगे। इसमें कुल 13 व्यक्तिगत पुरस्कार होंगे और साथ ही प्रत्येक प्रारूप (टेस्ट, वनडे, टी-20) के लिए पांच टीम ऑफ ईयर घोषित की जाएंगी। आईसीसी ने बुधवार को कहा कि प्रत्येक श्रेणी के विजेताओं का खुलासा जनवरी 2022 में किया जाएगा। पांच आधिकारिक आईसीसी 'टीम ऑफ द ईयर' की घोषणा 17 और 18 जनवरी को की जाएगी, जबकि व्यक्तिगत महिला पुरस्कारों की घोषणा 23 जनवरी को की जाएगी। पुरुष श्रेणी के आईसीसी स्पिरिट ऑफ क्रिकेट और आईसीसी अंपायर ऑफ द ईयर पुरस्कार 24 जनवरी को दिए जाएंगे। आईसीसी के मुताबिक व्यक्तिगत पुरस्कारों में 'आईसीसी पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर' के लिए सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी, 'आईसीसी महिला क्रिकेटर ऑफ द ईयर' के लिए राचेल हेहो फ्लिंट ट्रॉफी, 'आईसीसी पुरुष टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर', 'आईसीसी पुरुष वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर', 'आईसीसी महिला वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर', 'आईसीसी पुरुष टी-20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर', 'आईसीसी महिला टी-20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर', 'आईसीसी इमर्जिंग मेन्स क्रिकेटर ऑफ द ईयर', 'आईसीसी इमर्जिंग वुमेन क्रिकेटर ऑफ द ईयर', 'आईसीसी मेन्स एसोसिएट क्रिकेटर ऑफ द ईयर', 'आईसीसी महिला एसोसिएट क्रिकेटर ऑफ द ईयर', 'आईसीसी स्पिरिट ऑफ क्रिकेट अवार्ड' और आईसीसी अंपायर ऑफ द ईयर अवार्ड' शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

रोनाल्डो, एमबाप्पे और लेवांडोवस्की ग्लोब सॉकर पुरस्कार में जीते

दुबई । दुबई ग्लोब सॉकर पुरस्कार का 12वां सत्र बुर्ज खलीफा में आयोजित किया गया जिसमें पोलैंड और बायर्न म्युनिख के स्ट्राइकर रॉबर्ट लेवांडोवस्की को सर्वश्रेष्ठ गोल स्कोरर और दर्शकों की पसंद का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर चुना गया। लेवांडोवस्की ने सर्वश्रेष्ठ गोल स्कोरर का माराडोना पुरस्कार जीता। वहीं मैनचेस्टर युनाइटेड के क्रिस्टियानो रोनाल्डो को दुनिया में सबसे ज्यादा गोल का रिकॉर्ड अपने नाम करने के लिए पुरस्कार दिया गया। इंग्लिश प्रीमियर लीग खेल रहे रोनाल्डो ने वीडियो संदेश भेजकर पुरस्कार के लिए धन्यवाद दिया। फ्रांस के काइलियान एमबाप्पे को सर्वश्रेष्ठ पुरूष फुटबॉलर और एलेक्सिया पुतेलास को सर्वश्रेष्ठ महिला फुटबॉलर का पुरस्कार मिला। सर्वश्रेष्ठ महिला क्लब का पुरस्कार बार्सीलोना ने और पुरूष क्लब का पुरस्कार चेलसी ने जीता। वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर इटली के जियांलुइगी डोनारूमा चुने गए जिन्होंने यूरो फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ पेनल्टी बचाई थी। वर्ष के सर्वश्रेष्ठ कोच का पुरस्कार रॉबर्टो मंचिनी को और राष्ट्रीय टीम का पुरस्कार इटली को मिला।

भारत को लगा बड़ा झटका, गेंदबाजी के दौरान जसप्रीत बुमराह हुए घायल

सेंचुरियन। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को मंगलवार को यहां सुपरस्पोर्ट पार्क में पहले टेस्ट के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गेंदबाजी के दौरान घायल हो गए है। 28 वर्षीय बुमराह ने दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी के 11वें ओवर के दौरान दाहिने टखने में चोट लगने के कारण घायल हो गए। जिसके बाद, टीम इंडिया के फिजियो नितिन पटेल मैदान पर पहुंचे और उनको इलाज के लिए मैदान से बाहर ले गए। बीसीसीआई ने ट्विटर पर लिखा, पहली पारी में गेंदबाजी करते समय जसप्रीत बुमराह के दाहिने टखने में चोट लग गई, जिसके बाद मेडिकल टीम उन पर नजर बनाए हुई है। उन्होंने आगे कहा, श्रेयस अय्यर को उनकी जगह पर मैदान में फिल्डिंग करने के लिए बुलाया गया है।

अश्विन आईसीसी टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर के लिए नामित, ये खिलाड़ी भी हैं रेस में

दुबई (एजेंसी)।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को आईसीसी मेन्स टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर पुरस्कारों के लिए नामांकितों का खुलासा कर दिया है। भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को खेल के सबसे लंबे फॉर्मेट में बल्ले और गेंद के साथ उनके बहुमूल्य योगदान के लिए नामांकित किया गया है। 2021 में अश्विन ने 8 मैचों में 16.23 की औसत से 52 विकेट लिए और एक शतक सहित 28.08 की औसत से 337 रन भी बनाए। भारत इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में 1-0 से पिछड़ रहा था तब अश्विन ने क्रमशः दोनों पारियों 5/43 और 3/52 विकेट लिए और अंग्रेजी बल्लेबाजों को आउट किया। अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरी पारी में शतक भी लगाया। इंग्लैंड के खिलाफ गेंद और बल्ले से शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें मैन ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड भी दिया गया। अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ 32 विकेट चटके और 189 बनाए थे।वहीं टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर के नॉमिनेशन के लिए आईसीसी ने इंग्लैंड के कप्तान जो रूट, न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काईल जैमीसन और श्रीलंका के बल्लेबाज दिमुथ करूणारत्ने का भी नाम शामिल किया है। रूट ने इस साल 15 मैचों में 6 शतक की मदद से 1,708 रन बनाए। वह साल में टेस्ट क्रिकेट में 1,700 से अधिक रन बनाने वाले टेस्ट क्रिकेट इतिहास के मात्र तीसरे खिलाड़ी हैं। वहीं न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काईल जैमीसन ने इस साल 5 मैचों में 17.51 की औसत से 27 विकेट लिए हैं। जैमीसन ने साउथैम्प्टन में आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल जिताने में अहम योगदान दिया था। फाइनल में भारत के खिलाफ उनकी शानदार गेंदबाजी के बदौलत ही न्यूजीलैंड ने अपना पहला आईसीसी खिताब जीता। श्रीलंका के बल्लेबाज करूणारत्ने ने भी इस साल शानदार प्रदर्शन किया। करुणारत्ने ने इस साल 7 मैचों में 69.38 की औसत से 902 रन हैं और इस साल उन्होंने 4 शतक लगाए हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जोहान्सबर्ग में एक शतक, पल्लेकेले में दो मैचों में बांग्लादेश के खिलाफ दो शतक जिसमें एक दोहरा शतक शामिल है। वहीं गॉल में वेस्टइंडीज के खिलाफ एक शानदार शतक करुणारत्ने की बल्लेबाजी की परिभाषा दिखाते हैं।

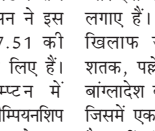

पेले से आगे निकले छेत्री, भारत ने आठवां सैफ खिताब जीता

नई दिल्ली । भारतीय फुटबॉल के लिए बीता वर्ष खास उल्लेखनीय नहीं रहा जिसमें कुछ जीत मिली तो कुछ हार। इस साल कप्तान सुनील छेत्री ने अंतरराष्ट्रीय गोलों के मामले में फुटबॉल के जादूगर पेले को पीछे छोड़ दिया तो महिला टीम के प्रदर्शन की भी चर्चा हुई। भारतीय फुटबॉल को वर्ष 2021 में कोई बड़ी सफलता नहीं मिली। पचास और साठ के दशक का अपना खोया गौरव लौटाने की कोशिश में जुटी टीम उस पल का इंतजार ही करती रही जो देश में इस खेल की दशा और दिशा बदल सके। भारत ने रिकॉर्ड आठवीं बार सैफ चैम्पियनशिप जीती लेकिन एक क्षेत्रीय टूर्नामेंट में जीत से बहुत कुछ बदलने वाला नहीं है। बड़ी टीमों के खिलाफ जीत दर्ज करनी जरूरी है। ऐसे मौके भी आये लेकिन ऐन क्षणों में लय गंवाने से भारत को ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। फीफा विश्व कप 2022 क्वालीफायर में भारत ने आठ मैचों में चार ड्रॉ खेले, तीन हारे और बस एक जीतकर कुल सात अंक बनाए। भारतीय टीम ने छह गोल किए और सात गंवाए और एक बार फिर दूसरे दौर की बाधा पार नहीं कर सकी। भारत क्वालीफायर के ग्रुप ई में कतर और ओमान के बाद तीसरे स्थान पर रहा। अभी भी उसके पास 2023 एएफसी एशियन कप के जरिए उसके पास क्वालिफिकेशन का मौका है। इस साल सुनील छेत्री ने नेपाल के खिलाफ सैफ चैम्पियनशिप में पहला गोल करते हुए पेले को पीछे छोड़ा। अब उनके अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 80 गोल हो गए हैं और उन्होंने लियोनेल मेस्सी की बराबरी कर ली। भारत ने बांग्लादेश से ड्रॉ खेला और श्रीलंका से गोलरहित बराबरी की जिसकी काफी आलोचना हुई। भारतीय टीम हालांकि समय रहते चेती और वापसी करके टूर्नामेंट जीता। इससे मुख्य कोच इगोर स्टिमक के कार्यकाल में भी एक साल का विस्तार हो गया। महिला फुटबॉल टीम ने दक्षिण अमेरिका का दौरा करके ब्राजील जैसी दिग्गज टीम के खिलाफ मैच खेला। अगले साल अपनी मेजबानी में एएफसी एशियन कप और अंडर 17 फीफा विश्व कप की तैयारी में जुटी भारतीय महिला टीम ने 14 में से 11 मैच गंवाए। एएफसी महिला एशियन कप में भारत को ईरान, चीनी ताइपे और चीन के साथ रखा गया है। इस साल इंडियन सुपर लीग की टीम एफसी गोवा ने एएफसी चैम्पियंस लीग खेलकर इतिहास रचा। यह कमाल करने वाला वह पहला भारतीय क्लब है।

मैनचेस्टर यूनाईटेड को छोड़ना चाहते हैं फ्रांस के फारवर्ड मार्शल

मैनचेस्टर। फ्रांस के फारवर्ड एंथनी मार्शल ने मैनचेस्टर यूनाईटेड से कहा कि वह इस फुटबॉल क्लब को छोड़ना चाहते हैं। क्लब के मैनेजर राल्फ रांगनिक ने यह जानकारी दी। फ्रांस के इस फुटबॉलर को पिछले कुछ समय से यूनाईटेड के शुरुआती एकादश में जगह नहीं मिल रही है। वह प्रीमियर लीग के इस सत्र में केवल दो मैचों और सभी प्रतियोगिताओं में कुल चार मैचों में ही शुरुआत कर पाए थे। रांगनिक ने कहा कि उन्होंने पिछले सप्ताह 26 वर्षीय मार्शल से लंबी बातचीत की। रांगनिक ने रविवार को कहा कि उन्होंने मुझे बताया कि वह सात वर्षों से मैनचेस्टर यूनाईटेड के साथ हैं और उन्हें लगता है कि यह किसी अन्य क्लब से जुड़ने का सही समय है। मैं उनकी बात का सम्मान करता हूं लेकिन मेरे लिये क्लब की स्थिति को देखना भी महत्वपूर्ण है।

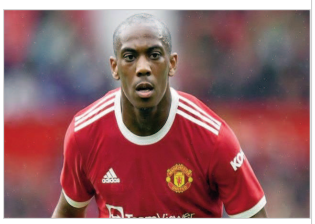

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे एशेज टेस्ट में इंग्लैंड को एक पारी और 14 रनों से हराकर सीरीज जीती

बोलैंड को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड

मेलबर्न (एजेंसी)।

नये तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड की शानदार गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया ने यहां एमसीजी में खेले गए एशेज क्रिकेट सीरीज के तीसरे मैच में मेहमान टीम इंग्लैंड को एक पारी और 14 रनों से हरा दिया। पहली पारी के आधार पर 82 रनों से पिछड़ने के बाद तीसरे दिन इंग्लैंड की टीम अपनी दूसरी पारी में 68 रनों पर ही आउट हो गयी। इस मैच में इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 185 रन बनाए थे जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इसके जवाब में 267 रन बनाये थे। इस प्रकार मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम को पहली पारी के आधार पर 82 रनों की बढ़त मिली हुई थी। इसके बाद दूसरी पारी में भी इंग्लैंड के बल्लेबाज कंगारुओं का सामना नहीं कर पाये ओर पूरी टीम केवल 68 रनों पर ही सिमट गई। तेज गेंदबाज बोलैंड ने दूसरी पारी में केवल सात रन देकर छह विकेट लेकर मेहमान टीम की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। बोलैंड को उनके इस शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला। बोलैंड के अलावा अनुभवी तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने तीन जबकि कैमरन ग्रीन ने एक विकेट लिया। इंग्लैंड की ओर से केवल कप्तान जो रूट ही कुछ हद तक टिक पाये और 28 रन बना पाये। इसके अलावा बेन स्टोक्स ने 11 रन बनाये बाकि बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये।

तीसरे दिन इंग्लैंड को हार को बचाने की जिम्मेदारी रूट और स्टोक्स पर थी। इन दोनो ने इसका प्रयास भी किया पर नाकाम रहे। स्टोक्स 11 रन बनाकर स्टार्क का शिकार बने। इसके बाद स्कॉट बोलैंड ने एक के बाद एक विकेट लिए। बोलैंड ने केवल 11 गेंदों के अंदर जॉनी बेयरस्टो, जो रूट, मार्क वुड और ऑली रॉबिनसन को आउट कर दिया।

कैमरन ग्रीन ने जेम्स एंडरसन को आउट कर इंग्लैंड की पारी समेट दी। वहीं इससे पहले दूसरे दिन इंग्लैंड की टीम ने अपने चार विकेट 31 रनों पर खो दिये थे और उसपर हार का खतरा मंडरा रहा था जो तीसरे दिन सही साबित हुआ।

आईपीएल के अगले सत्र में सीएसके टीम में नजर नहीं आयेंगे ब्रावो

जमैका। वेस्टइंडीज के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी ड्वेन ब्रावो इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसक) की ओर से खेलते हुए नहीं दिखेंगे। सीएसके ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 से पहले रवींद्र जडेजा, एमएस धोनी, रुतुराज गायकवाड़ और मोइन अली को बरकरार रखा है हालांकि इस बार ब्रावो को जगह नहीं दी गयी है। सीएसके द्वारा बरकरार नहीं रखे जाने को लेकर ब्रावो ने कहा कि जाहिर है कि मैं मेगा नीलामी में जाऊंगा। मुझे नहीं पता कि मैं किस टीम के साथ जाऊंगा। मैं वहीं जाऊंगा जहां मुझे मेरी किस्मत ले जाएगी। मुझे नहीं पता कि मुझे सीएसके द्वारा चुना जाएगा या नहीं, मुझे किसी अन्य टीम द्वारा उठाया जा सकता है क्योंकि मैं नीलामी में हूं। ब्रावो ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि धोनी ने उनके करियर को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई थी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसक) की ओर से खेले ब्रावो ने धोनी के साथ ही सीएसके को भी सराहा है। ब्रावो ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि धोनी मेरे भाई की तरह है। हमारी दोस्ती मजबूत है। वह खेल के महान लीडर हैं और उन्होंने व्यक्तिगत रूप से मेरा करियर संवारने में मदद की। इस ऑलराउंडर ने हाल ही में टी-20 विश्व कप में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी जिससे उनके 17 साल से अधिक के इंटरनेशनल करियर पर ब्रेक लग गया।

सांसद परिमल नथवाणी ने बेट द्वारका पर वक्फ बोर्ड के दावे पर उठाए सवाल

अहमदाबाद।

राज्यसभा सांसद परिमल नथवाणी ने भगवान श्रीकृष्ण के निवास बेट द्वारका पर सुन्नी वक्फ बोर्ड के दावे सवाल उठाते हुए कहा कि यह चौंकाने वाला है। नथवाणी ने इस संदर्भ में ट्वीट किया है। जिसमें लिखा ङ्क वक्फ बोर्ड भगवान कृष्ण के घर बेट द्वारका में दो द्वीपों पर स्वामित्व का दावा कैसे कर सकता है? यह वास्तव में चौंकाने वाला है, एक आंख खोलना वाला! परिमल नथवाणी द्वारा वक्फ बोर्ड के दावे पर सवाल उठाने के बाद फिर एक बार यह मुद्दा पर चर्चा में आ गया है। दरअसल बेट द्वारका के द्वीपों की जमीन का विवाद काफी समय से चल रहा है। जिसमें बेट द्वारका में दो द्वीपों की जमीन पर वक्फ बोर्ड ने अपना दावा किया है। हांलाकि वक्फ बोर्ड के दावे को गुजरात हाईकोर्ट ने खारिज करते हुए उसकी आलोचना की थी। हाईकोर्ट ने वक्फ बोर्ड से कहा था कि क्या बोल रहे है, इसका कोई अहसास है या नहीं। कृष्ण की नगरी में वक्फ बोर्ड आखिर दावा कैसे कर सकता है। गौरतलब है कि वक्फ बोर्ड ने द्वारका बेट की जमीन पर उसका अधिकार होने का गुजरात हाईकोर्ट में दावा किया था। जिस पर हाईकोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई थी। बेट द्वारका के कलस्टर में 8 छोटे द्वीप हैं, जबकि द्वारका किनारे स्थित छोटा द्वीप बेट द्वारका है। जहां से भगवान श्रीकृष्ण द्वारका पर शासन करते थे। उस दौरान बेट द्वारका भगवान श्रीकृष्ण का निवास स्थान था। भगवान श्रीकृष्ण का प्रिय स्थान होने के कारण आज तक बेट द्वारका को कोई आंच नहीं आई। भूकंप हो या सुनामी जैसी प्राकृतिक आपदा से भी बेट द्वारका को कोई नुकसान नहीं हुआ। अब उसी बेट द्वारका पर अपने स्वामित्व का वक्फ बोर्ड के दावे के बाद हिन्दु युवा वाहिनी के गुजरात इकाई के देवनाथ बापू ने पत्रकार परिषद की थी। जिसमें देवनाथ बापू ने यूपीए सरकार के 2013 के कानून को रद्द करने की मांग की थी। देवनाथ बापू ने कहा था कि यूपीए सरकार के इस कानून के अंतर्गत वक्फ बोर्ड 2 रुपए के स्टाम्प पर किसी भी जमीन पर अपने स्वामित्व का दावा कर सकता है।

बेटे की शादी के अवसर पर वीर शहीद जवानों के परिवार के लिए रु. 1 लाख रुपये का दान प्रेरक उदाहरण दिया

सूरत:

जय जवान नागरिक समिति सूरत के देवानी परिवार से अपने बेटे की शादी के मौके पर देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीद जवानों के परिवार की मदद करने के लिए 1 लाख रुपये का दान एक प्रेरक उदाहरण प्रदान किया है। हीरा उद्योग में अग्रणी भानुभाई देवाणी ने अपने बेटे को जन्म दिया चि. अभिषेक की शादी के मौके पर वीर शहीद जवानों के परिवार को एक लाख रुपये और पटेल समाज छात्रावास परियोजना के लिए रु. 1 लाख के दान ने देश और समाज के प्रति दायित्व को निभाया है।

सौराष्ट्र के अंबरदी गांव के मूल निवासी भानुभाई बावचंदभाई देवाणी और सूरत में बस गए और श्रीमती भावनाबेन के बेटे ची अभिषेक की शादी 7 दिसंबर को श्रीमती भावनाबेन और अशोकभाई हरिभाई कसवाला की बेटी धर्मिका के साथ आयोजित किया गया था। उन्होंने विवाह समारोह शुरू करने से पहले राष्ट्रगान गाकर राष्ट्रीय चेतना के लिए विनम्र प्रयास भी किया। इस अवसर पर श्री सौराष्ट्र पटेल सेवा समाज-सूरत ने शहीदों के लिए एक लाख रुपये दान के अलावा उन्होंने पटेल समाज छात्रावास परियोजना के लिए एक लाख रुपये का दान भी दिया। सौराष्ट्र पटेल समुदाय के प्रयास और शादी जैसे पारिवारिक अवसरों को गौरवशाली और सामाजिक और देशभक्तिपूर्ण बनाने के प्रयास अन्य समुदायों और प्रबुद्ध नागरिकों के लिए प्रेरणा बन गए हैं।

इस अवसर पर श्री कांजीभाई भलाला, श्री सौराष्ट्र पटेल सेवा समाज के अध्यक्ष, श्री लालजीभाई सोजित्रा, श्री पुनीतभाई कुम्भानी और कांतिभाई सोजित्रा सहित जनैया और मांडविया उपस्थित थे।

रक्षा सचिव डॉ. अजय कुमार ने वनिता विश्राम कॉलेज में एनसीसी कैडेटों से मुलाकात की

सूरत:

रक्षा सचिव डॉ. अजय कुमार ने अथवागेट क्षेत्र के वनिता विश्राम कॉलेज के शिवगौरी हॉल में 70 पुरुष और 50 महिला छात्रों सहित कुल 120 एनसीसी कैडेटों का दौरा किया. इस मौके पर रक्षा सचिव ने कहा, ''रक्षा क्षेत्र को इस बात पर गर्व है कि एनसीसी ने कोरोना महामारी के दौरान जरूरतमंदों को भोजन बांटकर फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं की मदद करने की भावना से काम किया.'' हमारे शहर, गांव, समाज और देश को चहुंमुखी विकास के लिए मिलकर काम करना चाहिए ताकि देश के सभी नागरिकों को समान अधिकार मिले।

उन्होंने आगे कहा कि 31 दिसंबर को च्पुनीतसागरज अभियान के माध्यम से।2021 तक एनसीसी कैडेटों द्वारा महासागरों, नदियों और समुद्र तटों की सफाई की जा रही है। सीमावर्ती और तटीय क्षेत्रों में 1000 से अधिक स्कूलों और कॉलेजों में एनसीसी शुरू किया गया है।

15 अगस्त को दिल्ली के वॉर मेमोरियल पर श्रद्धांजलि दी जाएगी. जिसमें एनसीसी कैडेट और अधिकारी 'शहीदो को शत शत नमन' कार्यक्रम के तहत शहीदों के परिवारों को टोमिनियर प्लांट (प्रधानमंत्री द्वारा हस्ताक्षरित सम्मान प्रमाण पत्र) भेंट करेंगे।

श्री अजय कुमार ने विचार व्यक्त किया कि कैडेटों को उनकी मातृभाषा के अलावा एक या दो भाषाएं सिखाई जानी चाहिए।जिसके माध्यम से जब भी वे अन्य कैडेटों से मिलते हैं तो दोनों के बीच सम्मान और आत्मीयता की भावना पैदा होती है और देश में एकता और अखंडता बनी रहेगी।

उन्होंने कहा कि एनसीसी फॉर स्टैच्यू कार्यक्रम के तहत देश के गौरवशाली वीरों की प्रतिमाओं का सम्मान किया जाना चाहिए.

इस कार्यक्रम में एनसीसी ग्रुप वडोदरा मुख्यालय ग्रुप कमांडर श्री डीएस रावत, एनसीसी के वरिष्ठ अधिकारी, सेना के अधिकारी और कैडेट मौजूद थे।

गुजरात में कोरोना विस्फोट, 24 घंटों में 394 नए मरीज मिले

अहमदाबाद । गुजरात में जिस तेजी से कोरोना संक्रमण बढ़ रहा है, वह तीसरी लहर की दस्तक के संकेत दे रहा है। सोमवार को राज्य में कोरोना के 204 नए केस दर्ज हुए थे, वहीं बीते 24 घंटों में यह आंकड़ा 394 पर पहुंच गया है। यानी 24 घंटों में नए केसों की संख्या दोगुना हो गई है। जबकि 59 मरीज ही कोरोना से स्वस्थ हुए हैं। खेडा में कोरोना से एक मरीज की मौत हो गई। वहीं आज राज्यभर में 2.22 लाख से अधिक नागरिकों का टीकाकरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोरोना के सबसे अधिक 178 नए मामले अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में सामने आए हैं। सूरत कॉर्पोरेशन में 52, राजकोट कॉर्पोरेशन में 35, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 34, आणंद में 12, नवसारी में 10, सूरत में 9, गांधीनगर में 7, जामनगर कॉर्पोरेशन में 7, खेडा में 7, वलसाड में 7, कच्छ में 5, अहमदाबाद में 4, भरुच में 3, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 3, देवभूमि द्वारका में 2, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 2, महीसागर में 2, मोरबी में 2, राजकोट में 2, साबरकांठा में 2, अमरेली में 1, बनासकांठा में 1, भावनगर में 1, भावनगर कॉर्पोरेशन में 1, गिर सोमनाथ में 1, पंचमहल में 1, पोरबंदर में 1, तापी में 1 और वडोदरा में 1 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 394 नए पॉजिटिव केस दर्ज हुए हैं। जबकि अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 14, सूरत कॉर्पोरेशन में 8, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 8, आणंद में 5, बनासकांठा में 5, वडोदरा में 3, नवसारी में 2, वलसाड में 2, देवभूमि द्वारका में 2, अमरेली में 2, खेडा में 1, कच्छ में 1, अहमदाबाद में 1, भरुच में 1, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 1, भावनगर में 1, मेहसाणा में 1 और पाटन में 1 समेत राज्यभर में 59 लोगों की ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। राज्य में अब तक 818422 लोग कोरोना को मात दे चुके हैं। खेडा में आज एक मरीज की मौत के साथ राज्य में कोरोना का मृतांक 10115 हो गया है। वहीं राज्य में सक्रमित मरीजों की संख्या 1420 पर पहुंच गई है। जिसमें 1404 स्टेबल हैं और 16 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। दूसरी टीकाकरण अभियान के तहत राज्यभर में आज 22208 6 नागरिकों को वैक्सीन दी गई। जिसमें 9 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 1090 को दूसरा डोज दिया गया। 45 वर्ष से अधिक आयु के 6618 को पहला और 52328 लोगों को कोरोना का दूसरा टीका लगाया गया।

किआ कारेन्स, थ्री-रो वाला रिक्रिएशनल व्हीकल, छह स्टैंडर्ड एयरबैग्स के साथ भारत में हुई लॉन्च

किआ कॉरपोरेशन ने एक वर्ल्ड प्रीमियर इवेंट के दौरान आज भारत में कैरेंस को लॉन्च कर दिया। यह रिक्रिएशनल व्हीकल (आरवी) किआ की ओर से पेश किया गया भारत में निर्मित एक वैश्विक उत्पाद है, जो परिवार के साथ ट्रैवल करने वालों के लिए आरामदायक और एसयूवी की स्पोर्टीनेस से भरपूर एक आकर्षक पैकेज है।

किआ कॉरपोरेशन के प्रेसिडेंट और सीईओ हो सुंग सोंग ने कहा, "अपने बोल्ड डिजाइन, हाई-टेक फीचर्स और उद्योग की अग्रणी सुरक्षा प्रणालियों के साथ किआ कैरेंस फैमिली व्हीकल के लिए पूरी तरह से नया सेगमेंट और उद्योग में बेंचमार्क बनाने के लिए तैयार है।" सुंग सोंग ने कहा, "भारत में कैरेंस लॉन्च करने को लेकर किआ विशेष रूप से सम्मानित महसूस कर रही है, जहां नए विचार और इनोवेशन आकार ले रहे हैं। हमें विश्वास है कि किआ कैरेंस आधुनिक परिवारों को उनके रोजाना की ड्राइविंग के साथ ही फैमिली के साथ लॉन्ग ड्राइव में सार्थक अनुभव देगी।"

कांग्रेस की कोरोना और ओमिक्रॉन के बढ़ते मामलों को देखते हुए वाइब्रेंट समिट रद्द करने की मांग

अहमदाबाद ।

गुजरात प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रमुख सिद्धार्थ पटेल ने राज्य में बढ़ते कोरोना और ओमिक्रॉन के मामलों को ध्यान में रखते हुए आगामी वाइब्रेंट समिट रद्द करने की सरकार से मांग की है। कांग्रेस के 13।वें और सेवा दल के 99वें स्थापना दिवस पर अहमदाबाद स्थित कांग्रेस मुख्यालय राजीव गांधी भवन में पार्टी के झंडे का सलामी देने के बाद पत्रकारों से बातचीत में सिद्धार्थ पटेल ने कहा कि कांग्रेस विश्व का सबसे पुरानी राजनीतिक संगठन है। 1885 में अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिए और देश में सामाजिक न्याय का माहौल बनाने के लिए कांग्रेस की स्थापना की गई थी। दुनिया के सबसे बड़ी आजादी के आंदोलन कांग्रेस के नेतृत्व में चलाया गया, जिसमें अनेक महानुभावों ने अपने जीवन का बलिदान दिया। आजादी के बाद रजवाडों को एकत्र कर एक देश बना। किसानों को खेत का मालिक बनाया। हरित क्रांति और श्वेत क्रांति के जरिए देश में प्रगति साकार की। कांग्रेस के नेतृत्व में देश के नागरिकों की आर्थिक प्रगति हुई। केन्द्र में 2004 से 2014 तक कांग्रेस नेतृत्ववाले यूपीए के 10 वर्ष के शासन में देश के नागरिकों को शिक्षा का अधिकार, रोजगार का अधिकार, जंगल की जमीन का अधिकार, सूचना अधिकार और खाद्य सुरक्षा अधिकार समेत कई कानून बनाकर सामान्य नागरिकों के जीवन में आमूल परिवर्तन लाने में कांग्रेस माध्यम बनी। सिद्धार्थ पटेल ने आगामी जनवरी महीने में राज्य में होनेवाली वाइब्रेंट समिट रद्द करने की सरकार से मांग की। उन्होंने कहा कि गुजरात समेत दुनियाभर में ओमिक्रॉन का संकट है। साथ ही कोरोना ने भी फिर एक बार सिर उठा लिया है। ऐसे वाइब्रेंट समिट का आयोजन महामारी को बढ़ावा देनेवाला साबित होगा। विदेश से आनेवाला प्रतिनिधि मंडल एक सप्ताह पहले आए और अनिवार्य रूप से कोरंटाइन रहे, ऐसा संभव नहीं है। कोरोना और ओमिक्रॉन के बीच गुजरात सरकार वाइब्रेंट समिट के नाम पर नौटंकी कर रही है। सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए सरकार लोगों की जिंदगी खतरे में डाल रही है। भूतकाल में भी अनेक एमओयू हुए हैं, लेकिन उसमें किसी को रोजगार नहीं

मिला। कांग्रेस नेता ने सरकार से मांग की है कि प्रत्यक्ष के बजाए वर्च्युली वाइब्रेंट समिट का आयोजन करे। गुजरात सरकार की जिम्मेदारी है राज्य में बढ़ते कोरोना संक्रमण से लोगों को बचाना। लेकिन भाजपा सरकार महामारी और बढ़े ऐसे कार्यक्रम और उत्सवों में व्यस्त है।

गुजरात समेत देश में गांधी विचारधारा पर गोडसे विचारधारा हावी नहीं होने देंगे: कांग्रेस

अहमदाबाद ।

गुजरात कांग्रेस के पूर्व प्रमुख अमित चावड़ा ने कहा कि गुजरात समेत देशभर में गांधी विचारधारा पर गोडसे विचारधारा को जनता और कांग्रेस कभी हावी नहीं होने देगी। भाजपा के शासन में गुजरात में और वह भी गांधी-सरदार की भूमि पर गांधी विचार को खत्म कर गोडसे की विचारधारा का जो शासन चलता है उसका प्रत्यक्ष प्रमाण यह है कि जामनगर में कुछ हिन्दू सेना के नाम से भाजपा समर्थित लोगों द्वारा गोडसे की प्रतिमा स्थापित की जाती है और ढिंढोरा पीटा जाता है कि हम गोडसे की प्रतिमा स्थापित करने वाले हैं। इसके बावजूद भाजपा सरकार के नेता, उनका पुलिस-प्रशासन मूक दर्शक बनकर गोडसे की प्रतिमा स्थापित करने देते हैं। लेकिन जामनगर की जनता अभिनंदन के पात्र है जिसने गांधी के हत्यारे गोडसे की प्रतिमा को ध्वस्त कर सिद्ध कर दिया कि

गोडसे की विचारधारा का हम समर्थन नहीं कर सकते। अमित चावडा ने कहा कि जामनगर ही नहीं राज्य के किसी भी कोने में कांग्रेस के कार्यकर्ता और गुजरात की जनता गांधीजी के गुजरात में गोडसे की प्रतिमा स्थापित नहीं करने देगी। यदि ऐसा किसी ने प्रयास किया तो उसे करारा जवाब दिया जाएगा। गुजरात में गांधी की विचारधारा पर गोडसे की विचारधारा हावी करने का प्रयास करनेवालों को कांग्रेस और गुजरात की जनता कभी सफल नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि ऐसे हीन कृत्यों का विरोध करना प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है।

अनशनरत आप नेता महेश सवाणी से भोजन करने की

अहमदाबाद। हेड क्लर्क पर्चा लीक मामले में गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल के अध्यक्ष असित वोरा को पद से हटाने और उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने की मांग के साथ अनशनरत आम आदमी पार्टी नेता महेश सवाणी से डोक्टरों ने भोजन या प्रवाही लेने की अपील की है। लेकिन महेश सवाणी अपनी जिद पर अडे हैं। जिससे आप कार्यकर्ताओं समेत प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। बता दें कि पर्चा लीक के मुद्दे पर आप के गुजरात प्रभारी गुलाबसिंह यादव और पार्टी नेता महेश सवाणी पिछले 6 दिनों से भूख हड़ताल पर हैं। सोमवार को महेश सवाणी का रूटिन हेल्थ चेकअप किया था। उस दौरान शुगर लेवल घटने से उन्हें तुरंत अहमदाबाद के एसवीपी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां महेश सवाणी के स्वास्थ्य को देखते हुए डोक्टरों ने उनसे अनशन खत्म कर भोजन या थोड़ा प्रवाही लेने अनुरोध किया गया। लेकिन महेश सवाणी अपना अनशन जारी रखने पर अडिग हैं।

नेचुरल डायमंड काउंसिल ने एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के साथ 'थैंक यू, बाय द वे' कैंपेन की घोषणा की

सूरत -

प्राकृतिक हीरा परिषद (एनडीसी) ने अपने वैश्विक अभियान च्थैंक यू, बाय द वेज् के लिए आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) के साथ भागीदारी की है। अभियान उन उपभोक्ताओं तक पहुंच रहा है, जो पहले से कहीं अधिक जानना चाहते हैं कि उनके उत्पाद कहां से आते हैं और उनकी खरीदारी का उत्पादक देशों और स्थानीय समुदायों पर क्या प्रभाव पड़ता है।

नैचुरल डायमंड काउंसिल इंडिया और द मिडिल ईस्ट की प्रबंध निदेशक ऋचा सिंह ने कहा, "स्थिरता एक प्रवृत्ति नहीं है बल्कि ब्रांडों और प्राकृतिक हीरा क्षेत्र के लिए एक यात्रा है और यह हमेशा हमारे सभी प्रयासों के मूल में रहा है।यह अभियान जीजेईपीसी द्वारा आधुनिक हीरा उद्योग में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से शामिल समुदायों और व्यक्तियों के लिए किए गए अच्छे काम को दर्शाता है।साथ ही, हम चाहते हैं कि हर ग्राहक को इस बात पर गर्व हो कि उनकी खरीदारी ने दुनिया भर के लोगों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है, और यात्रा का हिस्सा बनने के लिए हम उन्हें धन्यवाद देते हैं।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)